मुम्बई में अश्वमेध यज्ञ स्थल तक पहुँचने के लिए मार्गदर्शन 2
ओडिशा-छत्तीसगढ़ के गायत्री महायज्ञों में नवचेतना विस्तार 6

दक्षिण पूर्व एशिया का युवा शिविर 7

शान्तिकुञ्ज आये मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री 8

युगऋषि की तपःस्थली में मनाया जा रहा है रामोत्सव 8

समाज निर्माण एवं सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए समर्पित

E-mail: news@awgp.org

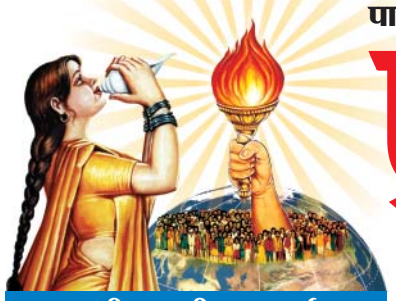

पाक्षिक

प्रज्ञा अभियान

संस्थापक, संरक्षक : युगऋषि पं श्रीराम शर्मा आचार्य एवं वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा

1 फरवरी 2024

वर्ष : 36, अंक : 15
प्रकाशन स्थल : शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार
प्रकाशन तिथि : 27 जनवरी 2024
वार्षिक चंदा : ₹ 80/-
वार्षिक चंदा (विदेश) : ₹ 1000/-
प्रति अंक : ₹ 4/-

नारी सशक्तीकरण वर्ष

RNI-NO.38653/ 1980 Postel R.No.UA/DO/DDN/ 16/ 2024-26 Licenced to Post Without Prepayment vide WPP No. 04/2024-26

।। ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।।

उस प्राणस्वरूप, दुःखनाशक, सुखस्वरूप, श्रेष्ठ, तेजस्वी, पापनाशक, देवस्वरूप परमात्मा को हम अंतःकरण में धारण करें। वह परमात्मा हमें सन्मार्ग में प्रेरित करे।

अपने अंग-अवयवों से गुरुवर की आशा-अपेक्षाएँ

चोखे व्यक्तियों की तलाश

मनुष्य की महानता उसकी उन सत्प्रवृत्तियों को चरितार्थ करने में है, जिनसे दूसरों को प्रकाश मिले। जिसमें ऐसा कुछ नहीं, जो उदरपूर्ति और प्रजनन प्रक्रियाओं तक सीमाबद्ध है, उसे नर-पशु ही कहा जा सकता है। हम नहीं चाहते कि बड़ी आशाओं के साथ सँजोए हुए हमारे सपनों की प्रतिमूर्ति हमारे परिजन उसी स्तर के हों, जैसा कि घर-घर में कूड़ा-करकट भरा पड़ा है।

इस महत्त्वपूर्ण वेला में जो अपने कर्त्तव्यों का स्मरण रख सकें और जो उसके लिए वासना और तृष्णा को एक सीमा में नियंत्रित रखकर कुछ समय युग की पुकार, ईश्वरीय पुकार को सुनने, समझने और तदनुसार आचरण करने में लगा सकें, वे ही हमारी आशाओं के केंद्र हो सकते हैं। उन साथी-सहचरों के संग हम आगे बढ़ते और निर्धारित मोर्चों पर लड़ते हुए आगे बढ़ेंगे।

-अखण्ड ज्योति, दिसंबर 1968, पृष्ठ 63

भावी युग की झाँकी

यह निश्चित है कि निकट भविष्य में ही एक अभिनव संसार का सृजन होने जा रहा है। ... हमारे हिस्से में नवयुग की आस्थाओं और प्रक्रियाओं को अपना सकने योग्य जनमानस तैयार करना है। लोगों को यह बताना है कि अगले दिनों संसार का एक राज्य, एक धर्म, एक अध्यात्म, एक समाज, एक संस्कृति, एक कानून, एक आचरण, एक भाषा और एक दृष्टिकोण बनने जा रहा है, इसलिए जाति, भाषा, देश, सम्प्रदाय आदि की संकीर्णताएँ छोड़ें और विश्वमानव की एकता की, वसुधैव कुटुंबकम् की भावना स्वीकार करने के लिए अपनी मनोभूमि बनाएँ।

हमें लोकमानस में विवेक जाग्रत करना है और समझाना है कि पूर्व मान्यताओं का मोह छोड़कर जो उचित-उपयुक्त है, केवल उसे ही स्वीकार-शिरोधार्य करने का साहस करें। सर्वसाधारण को यह विश्वास कराना है कि धन की महत्ता का युग अब समाप्त हो चला, अगले दिनों व्यक्तिगत संपदाएँ न रहेंगी, धन पर समाज का स्वामित्व होगा। लोग अपने श्रम एवं अधिकार के अनुरूप सीमित साधन ले सकेंगे। दौलत और अमीरी दोनों ही संसार से विदा हो जाएँगी। इसलिए धन के लालची, बेटे-पोतों के लिए जोड़ने-जाड़ने वाले कंजूस अपनी मूर्खता को समझें और समय रहते स्वल्प संतोषी बनने एवं शक्तियों को संचय उपयोग से बचाकर लोकमंगल की दिशाओं में लगाने की आदत डालें। ऐसी-ऐसी बहुत बातें लोगों के गले उतारनी हैं, जो आज अनर्गल जैसी लगती हैं।

युग निर्माण योजना की मजबूत आधारशिला रखे जाने का अपना मन है। संसार बहुत बड़ा है, कार्य अति व्यापक है, हमारे साधन सीमित हैं। सोचते हैं एक मजबूत प्रक्रिया ऐसी चल पड़े जो अपने पहिए पर लुढ़कती हुई उपरोक्त महान लक्ष्य को सीमित समय में ठीक तरह पूरा कर सके।

-अखण्ड ज्योति, मार्च 1969, पृष्ठ 59, 60

परिस्थितियों को बदलकर ही रहेंगे

अब हम सर्वनाश के किनारे पर बिलकुल आ खड़े हुए हैं। कुमार्ग पर जितने चल लिए, उतना ही पर्याप्त है। अगले कुछ ही कदम हमें एक दूसरे का रक्तपान करने वाले भेड़ियों के रूप में बदल देंगे। अनीति और अज्ञान से ओत-प्रोत समाज सामूहिक आत्महत्या कर बैठेगा। अब हमें पीछे लौटना होगा। सामूहिक आत्महत्या हमें अभीष्ट नहीं। नरक की आग में जलते रहना हमें अस्वीकार है। मानवता को निकृष्टता के कलंक से कलंकित बनी न रहने देंगे। पतन और विनाश हमारा लक्ष्य नहीं हो सकता। दुर्बुद्धि एवं दुष्प्रवृत्तियों को सिंहासन पर विराजमान रहने देना सहन न करेंगे। अज्ञान और अविवेक की सत्ता शिरोधार्य किए रहना अब अशक्य है। हम इन परिस्थितियों को बदलेंगे, उन्हें बदलकर ही रहेंगे।

मानव समाज को सदा के लिए दुर्भाग्यग्रस्त नहीं रखा जा सकता। उसे महान आदर्शों के अनुरूप ढलने और बदलने के लिए बलपूर्वक घसीट ले चलेंगे। पाप और पतन का युग बदला जाना चाहिए, उसे बदल कर रहेंगे। *(अखण्ड ज्योति, अक्टूबर 1969, पृष्ठ 57)*

उद्देश्य पूर्ति में सहायक बनें

गायत्री परिवार के परिजनों की भौतिक एवं आत्मिक कठिनाइयों के समाधान में हम अपनी तुच्छ सामर्थ्य का पूरा-पूरा उपयोग करते रहे। कहने वालों का कहना है कि इससे लाखों व्यक्तियों को असाधारण लाभ पहुँचा होगा। पहुँचा होगा, पर हमें उससे कुछ अधिक संतोष नहीं हुआ। हम चाहते थे कि वह माला जपने वाले लोग हमारे शरीर से नहीं, हमारे विचारों से प्रेम करें, स्वाध्यायशील बनें, मनन चिंतन करें, अपने भावनात्मक स्तर को ऊँचा उठायें और उत्कृष्ट मानव निर्माण करके भारतीय समाज को देव समाज के रूप में परिणत करने के हमारे उद्देश्य को पूरा करें। पर वैसा न हो सका।... हम हर परिजन से बार-बार, हर बार अपना प्रयोजन कहते रहे, पर उसे बहुत कम लोगों ने सुना, समझा। वे मंत्र का जादू देखने के लिए लालायित रहे, हम उनमें से काम के आदमी देखते रहे। इस खींचतान को बहुत दिन देख लिया तो हममें निराशा भी उपजी और झल्लाहट भी हुई।

मनोकामना पूर्ण करने का जंजाल अपने या गायत्री माता के गले बाँधना हमारा उद्देश्य कदापि न था। उपासना की वैज्ञानिक विधि व्यवस्था अपनाकर आत्मोन्नति के पथ पर क्रमबद्ध रूप से आगे बढ़ते चले जाना, यही हमें अपने स्वजन-परिजनों से आशा थी, पर वे उस कठिन दीखने वाले काम को झंझट समझकर कतराते रहे। ऐसे लोगों से हमारा क्या प्रयोजन पूरा होता?

-अखण्ड ज्योति, अक्टूबर 1966, पृष्ठ 45,46

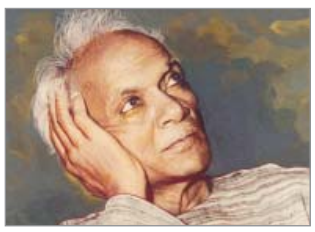

हमारा परिचय

यदि किसी को हमारा वास्तविक परिचय प्राप्त करना हो तो नवयुग के प्रतीक प्रतिनिधि के रूप में ही हमारे समूचे जीवन का, समूचे व्यक्तित्व का मूल्यांकन करना चाहिए। हमारे रोम-रोम में चेतना के रूप में बसा हुआ भगवान यह रास रचाए हुए है।

पंद्रह वर्ष की आयु में सारा जीवन जिस भगवान, जिस सद्गुरु को समर्पित किया था, वह शरीरसत्ता नहीं, वरन युग चेतना की ज्वलंत ज्वाला ही कही जा सकती है। उसके प्रभाव से हम जो कुछ भी सोचते और करते हैं, उसे असंदिग्ध रूप से भजन कहा जा सकता है। यह भजन मानवी आदर्शों को पुनर्जीवित करने के विविध प्रयोगों के रूप में समझा जा सकता है। हमारी दैनिक उपासना भी इसी का एक अंग है। उसके माध्यम से हम अपनी सामर्थ्य पर, अंतरात्मा पर प्रखरता की धार रखते हैं, इसलिए उसे साधना भी कहा जाएगा। साध्य तो वह भगवान है, जिसकी झाँकी स्थूल शरीर में सत्कर्म, सूक्ष्म शरीर में सद्ज्ञान एवं कारण शरीर में सद्भाव के रूप में भासित होती है।

एक वाक्य में कहना हो तो हमारा प्राण स्पंदन और मिशन एक ही कहा जा सकता है। इस तथ्य के आधार पर जिनकी मिशन की विचारधारा के प्रति जितनी निष्ठा और तत्परता है, उन्हें हम अपने प्राण जीवन का उतना ही घना संबंधी मानते हैं। भले ही वे व्यक्तिगत रूप से हमारे शरीरगत संपर्क में कभी न आए हों, हमारी आशा भरी दृष्टि उन्हीं पर जा टिकती है।

-अखण्ड ज्योति, जुलाई 1977, पृष्ठ 52

भावनात्मक निकटता चाहिए

दूसरों की तरह हमारे भी दो शरीर हैं, एक हाड़-मांस का, दूसरा विचारणा एवं भावना का। हाड़-मांस से परिचय रखने वाले करोड़ों हैं। लाखों ऐसे भी हैं जिन्हें किसी प्रयोजन के लिए हमारे साथ कभी सम्पर्क करना पड़ा है। ... कितने ही व्यक्ति साहित्य से प्रभावित होकर पूछताछ एवं शंका समाधान करने के लिए, कितने ही आध्यात्मिक साधनाओं के गूढ़ रहस्य जानने के लिए, कई अन्यान्य प्रयोजनों से आते हैं। इनकी सामयिक सेवा कर देने से हमारा कर्तव्य पूरा हो जाता है। उनके बारे में न हम अधिक सोचते हैं और न उनकी कोई शिकायत या चिंता करते हैं।

हमारे मन में भावनाएँ उनके लिए उफनती हैं, जिनकी पहुँच हमारे अंतःकरण एवं भावना स्तर तक है। भावना-शरीर ही वास्तविक शरीर होता है। हम शरीर से जो कुछ हैं, भावना की दृष्टि से कहीं अधिक हैं। हम शरीर से किसी की जो भलाई कर सकते हैं, उसकी अपेक्षा अपनी भावनाओं, विचारणाओं का अनुदान देकर कहीं अधिक लाभ पहुँचाते हैं। पर अनुदान ग्रहण वे ही कर पाते हैं जो भावनात्मक दृष्टि से हमारे समीप हैं।

काया से नहीं, प्राणों से प्यार करें

जो हमें प्यार करता हो, उसे हमारे मिशन से भी प्यार करना चाहिए। जो हमारे मिशन की उपेक्षा, तिरस्कार करता है लगता है वह हमें ही उपेक्षित-तिरस्कृत कर रहा है। व्यक्तिगत रूप से कोई हमारी कितनी ही उपेक्षा करे, पर यदि हमारे मिशन के प्रति श्रद्धावान् है, उसके लिए कुछ करता, सोचता है तो लगता है मानो हमारे ऊपर अमृत बिखेर रहा है और चंदन लेप रहा है। किंतु यदि केवल हमारे व्यक्तित्व के प्रति ही श्रद्धा है, शरीर से ही मोह है, उसी की प्रशस्ति पूजा की जाती है और मिशन की बात उठाकर ताक पर रख दी जाती है तो लगता है हमारे प्राण का तिरस्कार करते हुए केवल शरीर पर पंखा ढुलाया जा रहा हो।

-अखण्ड ज्योति, अगस्त 1969, पृष्ठ 9, 10

अश्वमेध यज्ञ : रामोत्सव से रामराज्य की ओर

राम हमारी सनातन संस्कृति की आत्मा है। इन दिनों पूरा देश राममय है। आज पूरे देश में रामोत्सव ने राष्ट्रोत्सव का रूप ले लिया है। रामराज्य की स्थापना और सतयुग की वापसी एक सुनिश्चित भवितव्यता है। यह सुखद संयोग है कि राम जन्मभूमि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अब मुम्बई में अश्वमेध यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। यह जन-जन के मनों में देव संस्कृति की प्रतिष्ठा का विराट अनुष्ठान है। भगवान राम ने भी रामराज्य के लिए दशाश्वमेध यज्ञों का आयोजन किया था। युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी के सूक्ष्म संरक्षण में भी वही अध्याय दोहराया जा रहा है। अधिक से अधिक लोग इस विराट धर्मानुष्ठान में भागीदारी करें, लोगों को भागीदारी के लिए प्रेरित करें। **मुम्बई पहुँचने के बाद यज्ञ स्थल तक पहुँचने के लिए मार्गदर्शन प्रस्तुत है-**

अश्वमेध महायज्ञ, मुम्बई (21 से 25 फरवरी 2024)

यज्ञ स्थल : कॉर्पोरेट पार्क मैदान, सेक्टर-28/31, पेठपाड़ा मेट्रो स्टेशन के पास, खारघर (प.), नवी मुम्बई, महाराष्ट्र (भारत)-410210

मुम्बई के विभिन्न रेलवे स्टेशनों से यज्ञ स्थल तक पहुँचने का मार्ग

पनवेल (9.7 कि.मी)
सड़क मार्ग से.....20 मिनिट
लोकल ट्रेन से .....11 मिनिट
लोकल ट्रेन का मार्ग
पनवेल-खारघर

लोकमान्य तिलक टर्मिनस-एलटीटी (26.7 कि.मी)
सड़क मार्ग से.....50 मिनिट
लोकल ट्रेन से.....40 मिनिट
लोकल ट्रेन का मार्ग
तिलक नगर-खारघर

ठाणे (33 कि.मी)
सड़क मार्ग से.....60 मिनिट
लोकल ट्रेन से.....45 मिनिट
लोकल ट्रेन का मार्ग
ठाणे-वाशी-खारघर

कल्याण (28.4 कि.मी)
सड़क मार्ग से.....1 घण्टा 10 मिनिट
लोकल ट्रेन से.....1 घण्टा 30 मिनिट
लोकल ट्रेन का मार्ग
कल्याण-ठाणे-खारघर

दादर (33.5 कि.मी)
सड़क मार्ग से..... 1 घण्टा 05 मिनिट
लोकल ट्रेन से..... 1 घण्टा 05 मिनट
लोकल ट्रेन का मार्ग
दादर-कुर्ला-खारघर

सीएसएमटी (39.6 कि.मी)
सड़क मार्ग से.....1 घण्टा 20 मिनिट
लोकल ट्रेन से.....1 घण्टा 10 मिनिट
लोकल ट्रेन का मार्ग
सीएसएमटी-खारघर

बांद्रा टर्मिनस (36.4 कि.मी)
सड़क मार्ग से.....1 घण्टा 15 मिनिट
लोकल ट्रेन से.....1 घण्टा 15 मिनिट
लोकल ट्रेन का मार्ग
(अ) बांद्रा-वडाला-खारघर
(ब) बांद्रा-खारघर

बोरीवली (52.1 कि.मी)
सड़क मार्ग से.....2 घण्टा 15 मिनिट
लोकल ट्रेन से.....1 घण्टा 50 मिनिट
लोकल ट्रेन का मार्ग
(अ) बोरीवली-बांद्रा-वडाला-खारघर
(ब) बोरीवली-अंधेरी-वडाला-खारघर
(स) बोरीवली-दादर-कुर्ला-पनवेल

वसई रोड़ (67 कि.मी)
सड़क मार्ग से..... 1 घण्टा 16 मिनिट
लोकल ट्रेन से..... 2 घण्टा 30 मिनिट
लोकल ट्रेन का मार्ग
वसई रोड से तलोजा (1 घण्टा 16 मिनिट)
तलोजा से पेठपाड़ा (मैट्रो से 5 मिनिट)

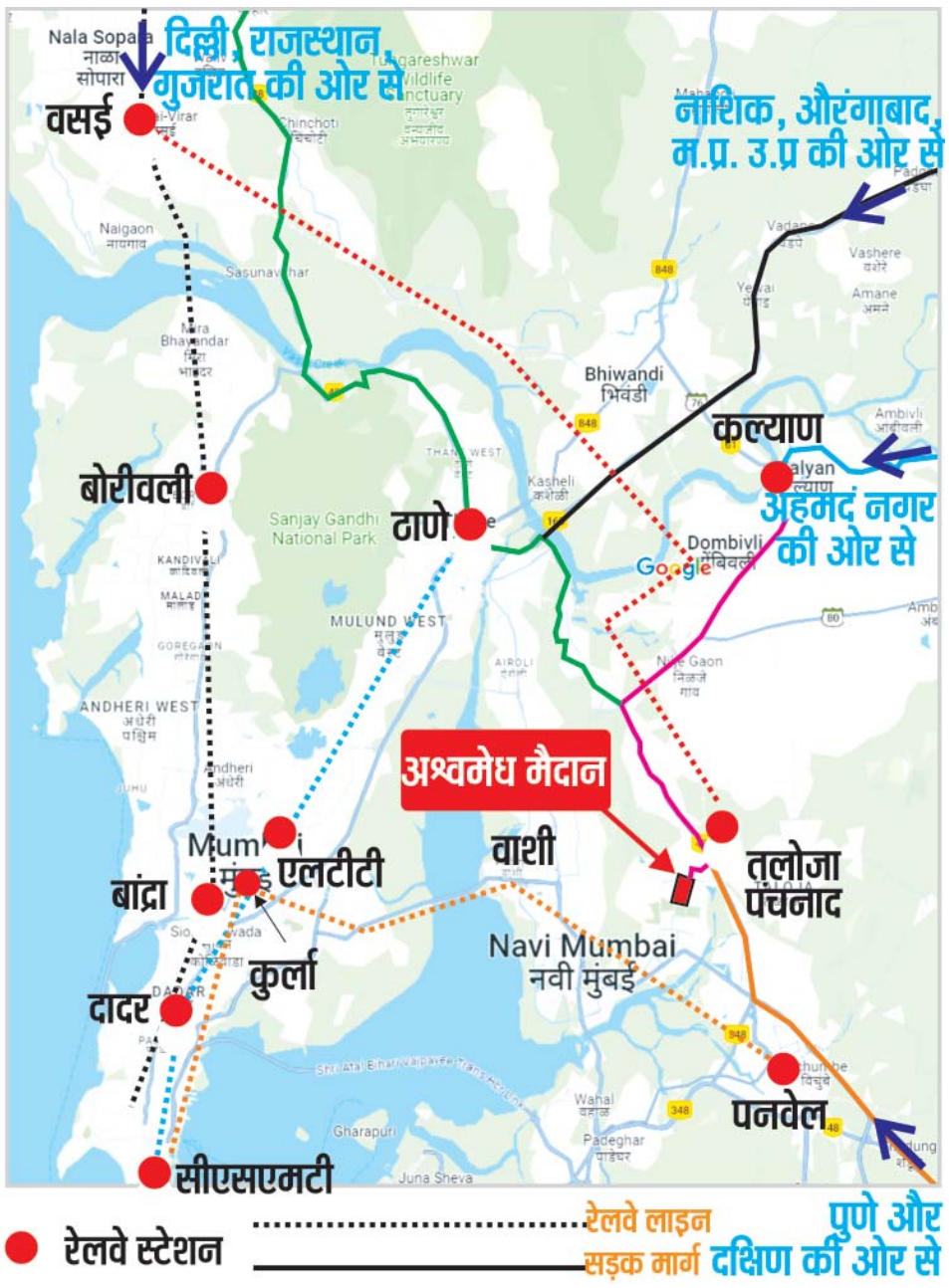

खारघर लोकल ट्रेन स्टेशन तक

सीएसटी से खारघर : सीएसटी-पनवेल (हार्बर लाइन) ..(60 मिनिट)
ठाणे से खारघर : ठाणे-पनवेल (हार्बर लाइन) ..(40 मिनिट)
अंधेरी से खारघर : अंधेरी-पनवेल (हार्बर लाइन) ..(90 मिनिट)
एलटीटी-कुर्ला से खारघर : कुर्ला से एलटीटी (पैदल) ... (10 मिनिट)
एलटीटी-पनवेल (हार्बर लाइन) .....(30 मिनिट)
दादर से खारघर :
मध्य रेलवे से वडाला रोड, कुर्ला या सीएसटी रेलवे स्टेशन पहुँचें। वहाँ से हार्बर लाइन की ट्रेन से खारघर जायें।

खारघर स्टेशन से कॉर्पोरेट पार्क (यज्ञ स्थल) तक

1. सिटी बस से (एनएमएमटी या बेस्ट की बसों से)
बस नंबर : 22/45/52/53/54/55/110/123/125/504
खारघर स्टेशन के बाहर से या हाईवे के पास से
2. ऑटो रिक्शा से
20 रुपये प्रतिव्यक्ति सवारी या पूरे ऑटो (4 व्यक्ति) के 80 रुपये

बेलापुर-पेंधर मेट्रो

बेलापुर से पेथपाड़ा : ..(18 मिनिट)
रेल प्रातः 6 बजे से रात्रि 10.45 बजे तक चलती है।

एअरपोर्ट से यज्ञ स्थल

एअरपोर्ट से खारघर के लिए **बस क्रमांक एस-105**
एअरपोर्ट से यज्ञ स्थल के लिए टैक्सी (ओला/उबर/रैपिडो/इनड्राइव) उपलब्ध हैं।

सेंट्रल पार्क, खारघर के लिए बस सेवाएँ

45 : खारघर रेलवे स्टेशन से तलोजा फेस 2
52 एसी : बेलापुर रेलवे स्टेशन से तलोजा आरटीओ वाहनतल
52 एसी : तलोजा आरटीओ वाहनतल से तुर्भे डीपो
53 : खारघर वैली शिप गेट नं. 2 से तुर्भे डीपो
53 : खारघर रेलवे स्टेशन से खारघर वैली शिप गेट नं. 2
55 एसी : घनसोली डीपो से पेथाली गाँव (तलोजा फेस-1)
110 एसी : बैंक ऑफ इंडिया सेक्टर 35 खारघर से वर्ल्ड ट्रेड सेंटर (वाया ईस्टर्न फ्रीवे)
125 एसी : खारघर जलवायु विहार, व्यू

यज्ञ स्थल विवरण (आवास व्यवस्था)

1. गुजरात एवं पूर्वोत्तर भारत
2. ओडिशा, प. बंगाल, बिहार
3. महाराष्ट्र, द. भारत
4. जीजाबाई नगर
5. मुक्ताबाई नगर
6. जम्मू-कश्मीर, एसीआर, हरियाणा, हिमाचल, पंजाब, म.प्र., छत्तीसगढ़
7. संत एकनाथ नगर
8. संत नामदेव नगर
9. उ.प्र., उत्तराखण्ड, राजस्थान, झारखण्ड

‘आओ बनाएँ नशामुक्त भारत’ अभियान

सरस्वती विद्या मंदिर, देवास में आयोजित हुआ कार्यक्रम

देवास। मध्य प्रदेश

देवास जिले में इंटर्नशिप कर रहीं देव संस्कृति विश्व विद्यालय, शान्तिकुञ्ज की छात्राएँ रीतिका सेन, खुशबू दोसानी एवं स्नेहा तोमर ने सरस्वती विद्या मंदिर विजयनगर के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए परीक्षाओं के दिनों में तनाव प्रबंधन के महत्त्वपूर्ण टिप्स दिये। उन्होंने विद्यार्थियों को एकाग्रता और प्रसन्नता के साथ पढ़ाई करने में उपयोगी शारीरिक एवं मानसिक व्यायामों का अभ्यास भी करवाया।

इस कार्यक्रम में नशामुक्ति पर विशेष जोर दिया गया। देसंविवि की बालिकाओं के साथ युवा जिला समन्वयक प्रमोद निहाले एवं प्राचार्य इंदिरा शर्मा ने भी बच्चों को बहुमूल्य प्रेरणाएँ दीं।

एन.एस.एस. शिविर में नशामुक्त युवा एवं व्यक्तित्व निर्माण कार्यशाला का आयोजन

थनौद में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर को संबोधित करते दिया, छत्तीसगढ़ के कार्यकर्त्ता

थनौद, दुर्ग। छत्तीसगढ़

23 से 29 दिसम्बर 2023 तक शासकीय विद्यालय थनौद, दुर्ग में 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का आयोजन हुआ। इसमें शासकीय उ.मा. विद्यालय रसमडा एवं पुरई के 114 विद्यार्थियों ने भाग लिया। ‘दिया’ छत्तीसगढ़ ने अपने नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 24 दिसम्बर को इस शिविर को संबोधित किया।

दिया छत्तीसगढ़ के प्रांतीय संयोजक डॉ. पी.एल. साव ने विद्यार्थियों से कहा कि नशा सफलता की राह में बड़ी बाधा है। उन्होंने कहा कि जीवन की छोटी-छोटी बुराइयों को दूर कर एवं महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर जीवन को महान बनाया जा सकता है। डॉ. योगेंद्र कुमार एवं श्रीमती अनीता साव ने भी सफल जीवन की दिशाधाराएँ प्रदान कीं।

26 दिसम्बर को विद्यार्थियों के लिए व्यक्तित्व परिष्कार की कार्यशाला रखी गयी, जिसमें दिया छत्तीसगढ़ के इं. युगल किशोर ने बच्चों को लक्ष्य निर्धारित कर अपने मन को साधने की बात कही।

कैंसर के मरीज और दिव्यांग बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाते हुए मनाया क्रिसमस का त्यौहार

क्रिसमस के दिन दिया, मुम्बई के परिजन दिव्यांग बच्चों के लिए उपहार लेकर पहुँचे

मुंबई। महाराष्ट्र

दिया, मुम्बई सन् 2016 से अपने ‘प्रोजेक्ट मुस्कान’ के अंतर्गत पीड़ित मानवता के चेहरे पर मुस्कान लाने के प्रयासों में जुटा है। इस वर्ष दिया मुम्बई के सदस्य प्रो. शुचिता शेट्टी, वकील गायत्री नायक, श्रीमती डॉली, श्री गौतम मित्रा और गुरुनानक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेण्ट स्टडीज़ के कई छात्र साथी क्रिसमस के दिन संत गाडगे आश्रम दादर और दिव्यदृष्टि वाले बच्चों के कमला मेहता स्कूल में पहुँचे। वहाँ बच्चों को उपहार स्वरूप खिलौने, फल आदि भेंट किए। गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ एवं बेहतर भविष्य की प्रार्थना की। उपस्थित लोगों में युगऋषि की पुस्तक ‘हारिये न हिम्मत’ भेंट की गई।

क्रिसमस युग साहित्य में ईसाई महानायकों के जीवनवृत्त देखकर गद्गद हुआ ईसाई समाज

इन्दौर। मध्य प्रदेश

गायत्री शक्तिपीठ केशर बाग इन्दौर के कार्यकर्ताओं ने 25 दिसम्बर को रेड चर्च, इन्दौर में पहुँचकर क्रिसमस का त्यौहार मनाने आए लोगों को युग साहित्य सेट भेंट कर अपनी शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने फादर थॉमस मैथ्यू, फादर सिरील व सिस्टर्स को परम पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी द्वारा विश्व के ईसाई महानायकों, संत सेवाभावी व समाज सुधारकों पर लिखित वाङ्मय भेंट किया, जिसे ईसाई समाज ने सहर्ष स्वीकार कर प्रसन्नता व्यक्त की।

श्री सजल तिवारी ने बताया कि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी ने अपने साहित्य में 100 से अधिक ईसाई महानायकों, संत व समाज सुधारकों के जीवन पर प्रकाश डाला है। फादर थॉमस मैथ्यू व फादर सिरील ने इन पुस्तकों को सहर्ष स्वीकार किया व पढ़ने, पढ़ाने की बात कहते हुए प्रसन्नता व्यक्त की व गायत्री परिवार को धन्यवाद दिया। गायत्री परिवार ने ‘लाल मशाल’ को जीवन्त करने की प्रेरणा दी।

समाज के उत्थान के लिए समर्पित जाग्रत् देवात्मा इं. श्री सचिन मुंढे

मनूर, जलगाँव। महाराष्ट्र

युगऋषि परम पूज्य गुरुदेव के युग निर्माण आन्दोलन के लिए पूरी तरह समर्पित मनूर के कार्यकर्त्ता श्री अनिरुद्ध पाटिल और बड़ी संख्या में कार्य कर रहे उनके साथियों ने श्रीराम आरण्यक की स्थापना कर पूरे क्षेत्र का मन जीत लिया है। बच्चों की शिक्षा, युवाओं का कौशल अभिवर्धन, गौसंवर्धन, पर्यावरण संरक्षण जैसे हर कार्य में अनूठा आदर्श प्रस्तुत कर रहे श्रीराम आरण्यक के प्रति लोगों की अगाध आस्था देखी जा रही है। ऐसे ही

ट्रांस्फॉर्मर का पूजन करते इंजीनियर श्री सचिन मुंढे

श्रद्धावान परिजन हैं श्री सचिन साहेबराव मुंढे, जिनकी सेवाओं ने आरण्यक के विकास-विस्तार को नवगति प्रदान की है।

श्री सचिन साहेबराव मुंढे बोदवड़ तहसील के उप कार्यकारी अभियंता हैं। वे गायत्री परिवार की गतिविधियों से बहुत प्रभावित हैं। अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का सदुपयोग करते हुए श्रीराम आरण्यक के लिए बिजली आपूर्ति में कोई बाधा न आए, ऐसे प्रंशसनीय प्रयास किए हैं। इसके लिए महाराष्ट्र विद्युत मंडल की ओर से 25 के.वी. ट्रांस्फॉर्मर लगवाया, जिसमें पंद्रह पोल लगे, लगभग 8 लाख रुपये का खर्च आया। श्री सचिन जी की श्रद्धा इतनी कि इसके आवेदन के लिए लगने वाली साढ़े चौबीस हजार रुपये की फीस भी स्वयं ही अदा कर दी।

गायत्री परिवार द्वारा मानवता के कल्याण के लिए किए जा रहे नेक कार्य में दो किसान श्री कैलाश निवृत्ति सोनाने और श्री अरुण जनार्दन पाटील का भी भावभरा सहयोग मिला। उन्होंने बिना कोई मुआवजा या शुल्क लिए अपने खेतों में विद्युत के खंभे गाड़ने की अनुमति प्रदान की। ठेकेदार श्रीयुत श्रीकांत कांशीराम दाते और एकाउंटेण्ट श्री सूरज वैष्णव जी ने भी पारिवारिक भाव से सहयोग किया।

ठंड से ठिठुरते लोगों की सेवा की

अलग-अलग शहरों में कंबल बाँटे गए

कोलकाता। प. बंगाल

गायत्री परिवार यूथ ग्रुप कोलकाता द्वारा विगत 13 से अधिक वर्षों से चलाए जा रहे साप्ताहिक वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान जैसे कार्यक्रमों के बीच एक वार्षिक कार्यक्रम ठंड से ठिठुरते जरूरतमंदों की सेवा-सहायता का भी है। यह कार्य विगत 9 वर्षों से चलाया जा रहा है।

इस बार श्री रवि शर्मा के नेतृत्व में जीपीवायजी कोलकाता के युवाओं का एक दल 27 दिसम्बर 2023 को मध्य रात्रि को कंबल बाँटने बैरकपुर रेलवे स्टेशन, दमदम मेट्रो स्टेशन एवं दक्षिणेश्वर के आसपास के क्षेत्र में निकला। टीम के सदस्यों ने बताया कि कड़ाके की ठंड में परिस्थियोंवश मात्र बैनर ओढ़कर हाथ-पाँव सिकोड़कर पड़े लोगों की वेदना हृदय विदारक थी। गायत्री परिवार के परिजन ऐसे सभी लोगों को चुपचाप कंबल ओढ़ाते चले गए।

लगभग चार घंटे की सेवाओं के बाद दक्षिणेश्वर मंदिर पहुँचे। माँ काली के दर्शन के साथ हृदय में हिलोरें लेती सेवा की सुखद अनुभूतियों से सभी गद्गद थे। माता से सभी के जीवन के उत्थान की भावभरी प्रार्थना की।

300 से अधिक निराश्रित लाभान्वित हुए

वडोदरा। गुजरात

गायत्री परिवार वडोदरा ने गीता जयंती के दिन करुणा की प्रतिमूर्ति श्रद्धेया शैल जीजी का जन्मदिन मनाते हुए पीड़ित मानवता की सेवा के लिए हाथ बढ़ाया। इस शुभ अवसर पर परिजनों ने कडाके की ठंड में ठिठुरते हुए फुटपाथ पर खुले में सोने के लिए विवश 300 से अधिक निराश्रितों में कंबल और गरम कपड़े वितरित किए। यह कम्बल वडोदरा रेलवे स्टेशन सर्कल, रेसकोर्स सर्कल, सुभानपुरा समता सर्कल, छाणी टीपी 13, तरसाली में फुटपाथ पर सोने वाले गरीबों में वितरित किए गए।

श्रद्धेया जीजी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सायंकाल वडोदरा की अलग-अलग शाखाओं द्वारा गायत्री महामंत्र जप एवं दीपयज्ञ के कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर प्रमुख परिजनों ने श्रद्धेया जीजी के प्रति अपने भाव सुमन समर्पित कर पूरे समर्पण भाव से मिशन के कार्यों में संलग्न रहने का संकल्प व्यक्त किया।

एन.डी.आर.एफ. के साथ मिलकर 151 लोगों की सेवा की

पीड़ा निवारण के प्रयास और पतन निवारण की प्रेरणा भी

एनडीआरएफ के डीआईजी मनोज शर्मा और गायत्री परिवार के डॉ. रोहित गुप्ता कंबल वितरण करते हुए

वाराणसी। उत्तर प्रदेश

गायत्री शक्तिपीठ नगवां, लंका, वाराणसी ने एन.डी.आर.एफ. के सहयोग से 13 जनवरी को वाराणसी के ग्रामीण क्षेत्र नियार के उधोरामपुर ग्राम स्थित हनुमान जी मंदिर परिसर (कुटी) में जरूरतमंद लोगों में निःशुल्क कंबल वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में 151 जरूरतमंदों को कंबल के साथ खाद्य सामग्री (चाय और जलपान आदि) भी दी गई। श्री मनोज शर्मा (डी.आई.जी., एनडीआरएफ) और डॉ. रोहित गुप्ता (मुख्य प्रबंध ट्रस्टी शक्तिपीठ नगवां) की मुख्य उपस्थिति और निर्देशन में यह सेवाकार्य सम्पन्न हुआ। गायत्री परिवार के डॉ. गौरी शंकर दुबे द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण और परामर्श शिविर भी लगाया गया।

शक्तिपीठ के वीरेंद्र सिंह के अनुसार पीड़ा निवारण के इस कार्यक्रम में पतन निवारण के भी भरपूर प्रयास हुए। लाभार्थी ग्रामीणों को व्यसन व कुरीति आदि बुराइयों से दूर रहने की प्रेरणा दी गई। उन्हें सात्विक जीवन की ओर अग्रसर करने के लिए भारतीय जीवन शैली (खानपान व रहन-सहन) अपने की प्रेरणाएँ दी गईं।

गायत्री परिवार द्वारा ग्रामवासियों को गायत्री चालीसा, पंचदेव चित्र वितरित किए गए, उन्हें नित्य गायत्री उपासना से जीवन को श्रेष्ठ बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

इस सेवायज्ञ में सर्वश्री रमेश आचार्य, आनंद शर्मा, राम सुमेर कश्यप, राजेश चौबे सहित गायत्री परिजनों, युवाओं और एन.डी.आर.एफ. के जवानों का सहयोग मिला।

सफाई कर्मियों का सम्मान; कंबल व साहित्य दिया

केवलारी, सिवनी। मध्य प्रदेश

गायत्री परिवार केवलारी ने शक्तिपीठ पर एक समारोह आयोजित कर नगर परिसर की सफाई करने वाले कर्मियों को सम्मानित किया। गायत्री परिवार ने उन्हें एक-एक कम्बल और युगऋषि की एक-एक पॉकेट बुक प्रदान की। इस पुनीत कार्य में प्रमोद साहू ठेकेदार, नागपुर के अशोक जैन कन्हान, रामा राय थांवरी, दुर्गा साहू, पप्पू जैन आदि ने हाथ बँटाया। समारोह में केवलारी के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों तथा कामधेनु गौशाला समिति के प्रमुखों ने भाग लिया। गायत्री परिवार ने नगरवासियों को मन में निरंतर स्वच्छता का भाव रखकर नगर को स्वच्छ सुंदर बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया।

अब आप 01334-311001 पर फोन कर शान्तिकुञ्ज की नई स्वचालित फोन व्यवस्था (आईवीआर) से शान्तिकुञ्ज के विभिन्न विभागों से सीधा सम्पर्क कर सकते हैं।

देश के युवाओं को सामाजिक उत्कर्ष की प्रेरणाएँ देते युवा सम्मेलन

लोकप्रवाह में न बहें, सामाजिक विसंगतियों को दूर करें

अमेठी। उत्तर प्रदेश

31 दिसम्बर को जनपद अमेठी के मुंशीगंज टेरी में स्थित आशीर्वाद मैरिज लॉन में गायत्री परिवार द्वारा व्यक्तित्व परिष्कार कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि श्री आशीष सिंह ने इसे संबोधित करते हुए आज समाज में व्याप्त तमाम विसंगतियों की ओर श्रोताओं का ध्यान आकर्षित किया और इन विसंगतियों को दूर करने का आग्रह किया।

श्री आशीष सिंह ने कहा कि आठ हजार कि.मी. दूर बैठे दोस्त से बात हो जाती है, लेकिन पड़ोसी से बात किये सालों बीत जाते हैं। दूर बैठे व्यक्ति से लजीज व्यंजनों की चर्चा होती है, लेकिन घर में बैठे बुजुर्गों की परवाह नहीं। स्वास्थ्य सुविधाएँ बढ़ी हैं, लेकिन नियम-संयम टूटते जा रहे हैं, जिनके परिणाम स्वरूप स्वास्थ्य समस्याएँ बढ़ती ही जा रही हैं। बड़े मकान हैं, लेकिन सुकून नहीं। पैसा बढ़ा है, लेकिन उससे कहीं ज्यादा बेचैनी और घबराहट बढ़ी है।

क्रिकेटर श्री पंकज सिंह को सम्मानित करते शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि श्री आशीष सिंह

> आवश्यकता भौतिकता और आत्मिकी में संतुलन स्थापित करने की है।
> - **आशीष सिंह, शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि**

शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि ने कहा कि आज लोकप्रवाह में बहने की अपेक्षा आत्मसमीक्षा की आवश्यकता है। स्वयं को जानने, समझने तथा भौतिकता एवं आत्मिकी में संतुलन स्थापित करने की आवश्यकता है, इसी का नाम अध्यात्म है।

भीषण ठंड के बावजूद अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति जागरूक लगभग 1500 युवा कार्यशाला में उपस्थित थे। शक्तिपीठ लखनऊ से आये श्री अरुण श्रीवास्तव ने श्रीमद् भगवद्गीता के आधार पर सत्प्रेरणाएँ दीं। डॉ. सुधाकर सिंह ने सभी को गायत्री परिवार के रचनात्मक कार्यों से जुड़कर समाज के लिए समयदान करने का आह्वान किया। अमेठी के प्रमुख कार्यकर्त्ता डॉ. त्रिवेणी सिंह ने जनपद में चल रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर श्री पंकज सिंह कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थे। उन्होंने साहसपूर्वक सतत प्रयास और कठोर परिश्रम को हर प्रकार की सफलता की कुंजी बताया। शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि ने उन्हें गायत्री मंत्र चादर ओढ़ाकर सम्मानित किया। युवा समन्वयक एवं मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. प्रवीण सिंह 'दीपक' ने कार्यक्रम का संचालन किया।

इंडोरामा में तनाव प्रबंधन सेमीनार

1 जनवरी को इंडोरामा जगदीशपुर के क्लब हॉल में 'व्यक्तित्व परिष्कार एवं तनाव प्रबंधन' विषय पर सेमीनार का आयोजन हुआ। शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि श्री आशीष सिंह ने सेमीनार में भाग ले रहे इंडोरामा के अधिकारियों, कर्मचारियों को तनाव प्रबंधन के सूत्र समझाये। उन्होंने पावर पॉइण्ट के माध्यम से बताया कि तनाव जीवन का अनिवार्य अंग है। आवश्यकता उससे बचने की नहीं, उसका प्रबंधन करने की है। उन्होंने कहा कि अपनी शारीरिक, मानसिक और वैचारिक क्षमता को बढ़ाने का निरंतर अभ्यास करते हुए बड़े से बड़े तनाव के साथ संतुलन स्थापित किया जा सकता है।

सभी अधिकारी, कर्मचारी गायत्री परिवार के विचारों से गद्गद थे। इंडोरामा के वरिष्ठ अधिकारी श्री एम.पी. यादव ने इस प्रस्तुति के लिए गायत्री परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया।

मानवता के उत्थान के लिए आगे आएँ युवा

अमरवाड़ा, छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश

ज्ञानदीप विद्यालय अमरवाड़ा में दिनांक 24 से 26 दिसम्बर की तिथियों में विराट युवा सम्मेलन सम्पन्न हुआ। शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि श्री आशीष सिंह और मध्य जोन प्रभारी श्री राजेश पटेल ने इसे संबोधित करते हुए भारतीय संस्कृति के युवा आदर्श स्वामी विवेकानन्द, सुभाष चंद्र बोस, महाराणा प्रताप आदि महापुरुषों की याद दिलाई और उनके पदचिह्नों का अनुसरण करते हुए जीवन को सार्थक-सफल बनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि इन दिनों परम पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी की सूक्ष्म चेतना के दिव्य संरक्षण में विश्व मानवता के उत्थान का युगान्तरीय अभियान चल रहा है। इसमें भागीदारी का जो सौभाग्य हम सबको मिला है, उसका लाभ हमें अवश्य उठाना चाहिए।

सम्मेलन का शुभारंभ शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि के संग नगर के गणमान्य सर्वश्री उत्तम ठाकुर, नवीन जैन, नविता चौरसिया, एस.के. शर्मा, सी.एल. विश्वकर्मा, अटल खुर्वे एवं ज्ञानदीप विद्यालय के संचालक आशीष सोनी द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। शान्तिकुञ्ज से पहुँचे युगगायक सर्वश्री रमेश तिवारी, नारायण रघुवंशी, रुद्र गिरी ने श्रोताओं को भावों से युक्त गीतों द्वारा जोश और उल्लास से भर दिया। इस सम्मेलन में अमरवाड़ा नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र और छिंदवाड़ा जिले के प्रत्येक ब्लॉक से वरिष्ठ कार्यकर्त्ता, प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

कामगारों के लिए व्यक्तित्व परिष्कार कार्यशाला

चाँपा । छत्तीसगढ़

दिव्य भारत युवा संघ (दिया) छत्तीसगढ़ के तत्त्वाधान में 20 दिसम्बर 2023 को जांजगीर-चांपा जिले के प्रकाश इंडस्ट्री में व्यक्तित्व परिष्कार कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य प्रबंधक श्री जोशी जी के साथ इंडस्ट्री में काम करने वाले विभिन्न विभागों के 100 से अधिक इंजीनियर एवं अफसर शामिल हुए।

दीया छत्तीसगढ़ के प्रांतीय संयोजक डॉ. पी.एल. साव ने जीवन में उत्कृष्टता के लिए नशामुक्त जीवन जीने पर बल दिया। उन्होंने नशे के मन, परिवार, समाज एवं राष्ट्र पर पड़ने वाले प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी। इं. युगल किशोर ने जीवन में सही लक्ष्य के चुनाव और खुशी की सही वजह तलाशने की बात कही। उन्होंने आत्म निर्माण में साधना, स्वाध्याय, स्वावलंबन एवं सेवा का महत्त्व समझाया।

कोणार्क शिक्षा महाविद्यालय में

20 दिसम्बर को जांजगीर जिले के कोणार्क शिक्षा महाविद्यालय में भी डी.एल.एड. एवं बी.एड. के 200 से अधिक भावी शिक्षकों के बीच ऐसी ही एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इन आयोजनों में चाँपा गायत्री शक्तिपीठ के मुख्य ट्रस्टी टिकेश्वर प्रधान, नरेश राठौर, जीतराम साहू एवं के.बी. साहू का मुख्य योगदान रहा ।

कोणार्क शिक्षा महाविद्यालय में चल रही कार्यशाला

350 साधकों ने मातृशक्ति जन्मशताब्दी साधना अनुष्ठान के संकल्प लिए

> इतिहास लिखा जाये तो हमारी गिनती कामचोरों में ना हो ।
> - **राहुल सतुना**

देवास। मध्य प्रदेश

गायत्री शक्तिपीठ साकेत नगर पर 25 दिसम्बर को जिला स्तरीय युवा चेतना शिविर एवं मातृशताब्दी संकल्प गोष्ठी का आयोजन हुआ। इंदौर उपजोन प्रभारी जे.पी. यादव, पश्चिमांचल युवा प्रकोष्ठ प्रभारी राहुल सतुना, उज्जैन उपजोन प्रभारी महेश आचार्य, महिला मण्डल की लेखा राठौड़, देवसंस्कृति विश्व विद्यालय की छात्रायें कु. रितिका सेन, खुशबू दोशानी, स्नेहा तोमर और प्रज्ञापीठ संरक्षिका सुश्री दुर्गा दीदी ने मुख्य रूप से इस शिविर को संबोधित किया।

श्री राहुल सतुना ने कहा कि परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी अपनी प्रतिभा, योग्यता और श्रम-साधन को माता के चरणों में अर्पित करने का दिव्य अवसर है, इतिहास का विलक्षण अध्याय है। हम प्रयास करें कि जब इतिहास पढ़ा जाये तो हमारा नाम कर्मवीरों में अग्रणी रहे, कोई हमें कामचोर नहीं कह पाये। शिविर में मातृ शताब्दी, श्रद्धा संवर्धन अखंड दीप यात्रा के संचालन पर विस्तार से चर्चा हुई। सुश्री दुर्गा दीदी ने संकल्प लेने वाले शिविरार्थियों का मंगल तिलक किया। युवा समन्वयक प्रमोद निहाले ने राष्ट्रोत्थान की भावना के साथ मातृशक्ति जन्मशताब्दी साधना अनुष्ठान की जानकारी दी और अधिक से अधिक लोगों को यह अनुष्ठान करने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने गायत्री परिवार की सेवाओं की सराहना की

जोबट, अलीराजपुर। मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश के राज्यपाल माननीय श्री मंगूभाई पटेल दिनांक 21 दिसंबर को गायत्री शक्तिपीठ और शक्तिपीठ द्वारा संचालित उ.मा. विद्यालय में पधारे। उन्होंने आदिवासी क्षेत्र में गायत्री परिवार द्वारा दी जा रही उच्च कोटि की शिक्षा और मानवता की सेवा की विविध योजनाओं का अवलोकन कर उनकी भरपूर सराहना की।

राज्यपाल महोदय ने सर्वप्रथम विद्यालय के दो कमरों का लोकार्पण एवं वृक्षारोपण किया। तत्पश्चात गायत्री शक्तिपीठ में दर्शन करने पहुँचे। उन्होंने विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन किया और नेत्र दानियों के परिजनों से मिले।

राज्यपाल महोदय विद्यालय के 40वें स्नेह सम्मेलन के मुख्य अतिथि थे। शक्तिपीठ व्यवस्थापक डॉ. शिवनारायण सक्सेना, प्राचार्या रविकांता वर्मा एवं श्री शिवराम वर्मा ने उनका पुष्पहार, गायत्री मंत्र चादर आदि के साथ भावभरा स्वागत किया। तत्पश्चात् स्वागत उद्बोधन में गायत्री परिवार एवं विद्यालय की उपलब्धियों से उनका परिचय कराया गया।

उत्कृष्ट उपलब्धियाँ

माननीय राज्यपाल यह जानकर बहुत प्रभावित हुए कि आदिवासी अंचल में विद्यार्थियों में सेवा और राष्ट्रप्रेम की भावना जगाने वाले इस विद्यालय के विद्यार्थी देश-विदेश में उच्च पदों पर सेवाएँ दे रहे हैं। इसी विद्यालय में अध्ययन करने वाला एक ग्रामीण विद्यार्थी आज माननीय प्रधानमंत्री जी के डॉक्टरों की टीम का सदस्य है।

राज्यपाल को सम्मानित करती प्राचार्या

पूर्व कलेक्टर श्री शेखर वर्मा के कार्यकाल में गायत्री शक्तिपीठ में नेत्र संकलन केंद्र की स्थापना हुई। इसके माध्यम से अब तक 101 नेत्रदान हो चुके हैं। श्री शेखर वर्मा ने अपने कार्यकाल में नेत्र संकलन केंद्र को एम्बुलेंस, विद्यालय को दो कमरे, मीटिंग हॉल, बाउंड्री वॉल विभिन्न मदों से उपलब्ध कराए थे।

नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान के लिए 171 बालिकाओं ने संकल्प लिए

कुरुद, धमतरी। छत्तीसगढ़

गायत्री परिवार कुरुद द्वारा इंडोर स्टेडियम में तीन दिवसीय आवासीय कन्या कौशल शिविर का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा 10 वीं,12 वीं एवं महाविद्यालयों में पढ़ रही 36 गाँवों की 171 बालिकाएँ शामिल हुईं। जिला समन्वयक श्री दिलीप नाग ने शिविर का उद्देश्य बताते हुए कहा कि युवाओं को तलाशना, तराशना एवं उनकी प्रतिभा का परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण में नियोजन करना है।

कुशल प्रशिक्षक सुश्री रुक्मणी बंसोर ने बालिकाओं को उनकी बाह्य एवं आन्तरिक शक्तियों से परिचित कराकर उनमें छिपी हुई योग्यता, प्रतिभा एवं क्षमता को उभारने संबंधी मार्गदर्शन दिया।

शिविर में झलकता कार्यकर्त्ता और कन्याओं का उत्साह

नशामुक्ति रैली एवं संकल्प

सभी 171 बालिकाओं को स्वयं नशा नहीं करने एवं अन्य लोगों को भी नशा नहीं करने के लिए प्रेरित करने का संकल्प कराया गया। इसी क्रम में नगर में प्रभावशाली झाँकी के साथ नशा मुक्ति जागरुकता रैली निकाली गई।

यज्ञ अभियान को गति देते अभिनव प्रयोग

विशेष प्रयोग 12 X 9 (108) कुण्डीय यज्ञ : पूरा शहर गायत्रीमय हो गया

अलवर। राजस्थान

24 एवं 25 दिसंबर 2023 की तिथियों में अलवर में सम्पन्न हुआ 108 कुण्डीय यज्ञ एक ऐसा विशिष्ट प्रयोग था, जिसने अत्यधिक कम खर्च और कम परिश्रम के बावजूद भी पूरे अलवर शहर को गायत्रीमय कर दिया। मात्र सात दिन की तैयारियों में हजारों लोगों को गायत्री और यज्ञ की सूक्ष्म चेतना से जोड़कर उन तक युगऋषि के विचार पहुँचाए गए, नगरवासियों के मंगलमय जीवन, उज्ज्वल भविष्य, वातावरण परिष्कार एवं विश्व कल्याण की सामूहिक प्रार्थना हुई।

अखिल विश्व गायत्री परिवार अलवर के परिजनों ने एक ही स्थान पर 108 कुण्डीय यज्ञ करने की बजाय पूरे शहर की अलग-अलग 12 वॉर्ड/मोहल्लों के सार्वजनिक स्थानों में एक ही दिन, एक ही समय नौ-नौ कुण्डीय यज्ञ सम्पन्न कराए। सभी 12 क्षेत्रों में 24 दिसम्बर को मंगल कलश यात्राएँ निकाली गईं, जिनमें 600 से अधिक बहिनों ने भाग लिया। प्रत्येक कार्यक्रम में सायंकाल

12 वॉर्ड में निकली कलश यात्राएँ
गायत्री यज्ञ का आयोजन हुआ
1,42,000 आहुतियाँ दी गईं

दीपयज्ञ हुआ जिसमें प्रवचन के साथ स्थानीय लोगों से पारिवारिक भाव के साथ विविध रचनात्मक आन्दोलनों में सक्रिय सहयोग करने का आह्वान किया गया। 25 दिसम्बर को हुए गायत्री यज्ञों में गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र आदि से एक लाख 42 हजार आहुतियाँ समर्पित की गईं।

श्री सतीश सारस्वत जी का कहना है कि इस प्रयोग से शहर का कोना-कोना गायत्रीमय हो गया। शहर के सभी क्षेत्रों के सभी वर्गों के श्रद्धालुओं को यज्ञ में भागीदारी का अवसर मिला। इस विशिष्ट प्रयोग में मुख्य प्रबंध ट्रस्टी डॉ. श्रीमती सरोज गुप्ता, श्रीमती ज्ञान देवी शर्मा, श्रीमती आशा तिवारी, श्रीमती उर्मिला शर्मा, श्रीमती शशि गुप्ता, श्रीमती कुन्ती अग्रवाल सहित सभी ट्रस्टी बहिनों तथा श्री ज्ञानेंद्र शर्मा, श्री राजेन्द्र सेठी, श्री जे पी गुप्ता, श्री विजय गुप्ता, श्री मुकेश गुप्ता, श्री मनोज शर्मा, श्री महेंद्र नरुका, श्री दौलतराम शर्मा, श्री राधारमण विजय, श्री गगन शर्मा, श्री दिनेश गुप्ता और श्री नवलकिशोर सिंह चौहान की विशेष भूमिका और सहयोग रहा।

गीता जयंती

गीताज्ञान की भूमि पर दीप महायज्ञ

उपराष्ट्रपति माननीय धनखड़ जी, गृहमंत्री माननीय श्री अमित शाह जी एवं मुख्यमंत्री माननीय श्री मनोहरलाल खट्टर उपस्थित रहे

कुरुक्षेत्र। हरियाणा

सारे विश्व को गीता का दिव्य संदेश देने वाली भूमि कुरुक्षेत्र में 7 से 24 दिसम्बर 2023 की तिथियों में अंतर्राष्ट्रीय गीता जयन्ती महोत्सव मनाया गया। गायत्री चेतना केन्द्र कुरुक्षेत्र ने इसमें भागीदारी करते हुए युग निर्माणी पुस्तक मेला लगाया। 20 दिसम्बर को व्यसनमुक्ति रैली निकाली और महोत्सव के समापन समारोह में सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं के सहयोग से एक भव्य एवं दिव्य दीपोत्सव का आयोजन किया।

दीपयज्ञ के अवसर पर भारत के उपराष्ट्रपति माननीय श्री जगदीप धनखड़, भारत सरकार के माननीय गृहमंत्री श्री अमित शाह, हरियाणा के मुख्यमंत्री माननीय श्री मनोहरलाल खट्टर, योग गुरु स्वामी रामदेव, गीता मनीषी श्री ज्ञानानन्द जी आदि गणमान्य

उपस्थित थे। गायत्री परिवार कुरुक्षेत्र ने दीपयज्ञ के माध्यम से 'अप्प दीपो भव' की प्रेरणाएँ दीं, मुख्यमंत्री जी सहित गणमान्यों का स्वागत-अभिनंदन किया।

युग साहित्य पुस्तक मेला लगाया, व्यसनमुक्ति रैली भी निकाली

गायत्री परिवार के जोनल समन्वयक श्री डी.पी. शर्मा के अनुसार पुस्तक मेले के माध्यम से हजारों लोगों तक युगऋषि का संदेश पहुँचा। आगंतुकों में अखण्ड ज्योति और युग निर्माण पत्रिकाएँ निःशुल्क वितरित की गईं।

'नशामुक्त हरियाणा' का संदेश देती व्यसनमुक्ति रैली में कैथल, करनाल, अम्बाला, यमुनानगर एवं जींद शाखाओं के कार्यकर्त्ताओं ने भाग लिया। पाँच किलोमीटर की इस रैली में ब्रह्म सरोवर की परिक्रमा करते हुए नशामुक्ति के साथ भ्रूण हत्या बंद करने, नारी जागरण तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु पराली न जलाने के लिए भी जनमानस को जाग्रत् किया।

गृहे-गृहे यज्ञ एवं संस्कार परम्परा को प्रोत्साहन

350 घरों में यज्ञ हुए

भीलवाड़ा। राजस्थान

गायत्री परिवार की भीलवाड़ा शाखा ने दिसम्बर 2023 में पूरे जिले में गृहे-गृहे गायत्री यज्ञ, दीपयज्ञ और उसके साथ संस्कारों के आयोजन को गति देने के प्रशंसनीय प्रयास किए। जिला समन्वयक सरोजना व्यास ने बताया कि जिले में कार्यकर्त्ताओं ने पूरे उत्साह के साथ इस अभियान को गति दी। सहाड़ा तहसील में 191 घरों में, रायपुर क्षेत्र में 83 घरों में तथा अन्य तहसीलों में 71 घरों में यज्ञ हुए। 5 स्थानों पर पाँच-पाँच कुण्डीय यज्ञ भी सम्पन्न कराए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से 259 घरों में देवस्थापनाएँ हुईं। 36 जन्मदिवस और 15 विवाह दिवस संस्कार मनाए गए।

9 कुंडीय महायज्ञ श्रृंखला का 22वाँ कार्यक्रम

जमशेदपुर। झारखंड

इन दिनों गायत्री परिवार टाटानगर द्वारा जमशेदपुर और उसके आसपास के 24 स्थानों में नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञों के आयोजन की श्रृंखला चलायी जा रही है। इसके अंतर्गत जनवरी के प्रथम सप्ताह में कमलकुंज गुरुद्वारा बस्ती साकची में 22वाँ 9 नौ कुण्डीय राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ अपार उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। लगभग 400 धर्म प्रेमी श्रद्धालुओं ने विश्व कल्याण हेतु यज्ञ भगवान को अपनी आहुतियाँ समर्पित कीं। श्री वीर जवाहर जी, श्री भुवनेश्वर शास्त्री एवं श्री आलोक कुमार के साथ इंटर्नशिप में आई देव संस्कृति विश्वविद्यालय की छात्राओं ने यज्ञ और दीपयज्ञ के कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को आस्तिकता, सामाजिक समरसता और सकारात्मक चिंतन के साथ सृजनात्मक कार्यों में सक्रियता बढ़ाने की प्रेरणाएँ प्रदान कीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती मंजू मोदी, मीना देवी, उषा मोदी, चुन्नू बहन, लक्ष्मी कुमारी, दीपक कुमार, पुष्पेंद्र कुमार आदि का प्रमुख योगदान रहा।

राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ

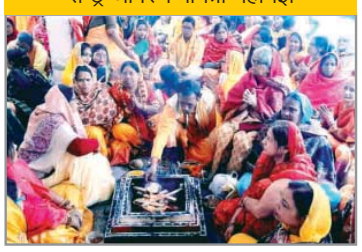

हर यज्ञ में देखी गई अपार जनआस्था

गीता जयंती महोत्सव में पुरस्कार वितरण

गायत्री शक्तिपीठ पर साप्ताहिक गीता स्वाध्याय होगा

उज्जैन। मध्य प्रदेश

गायत्री शक्तिपीठ उज्जैन पर गीता जयंती और वंदनीया शैल जीजी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में गीता स्वाध्याय एवं चिंतन कार्यक्रम आयोजित किया। श्री शिरिश टिल्लू जी ने जीवन में गीता का महत्त्व बताते हुए कहा कि गीता कन्फ्यूजन से आरंभ होकर कन्क्लुजन तक पहुंचाती है। उपस्थित परिजनों द्वारा सर्वसम्मत निर्णय के अनुसार गायत्री शक्तिपीठ पर प्रति सप्ताह गीता के श्लोक की विशिष्ट व्याख्या के साथ स्वाध्याय करने का निर्णय लिया गया।

दोपहर में बच्चों के लिए गीता श्लोक पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। 23 तारीख को नानाखेड़ा क्षेत्र में गीता के पात्रों पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई। गायत्री शक्तिपीठ पर रविवार को चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई। सभी प्रतियोगिताओं के विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया गया। फाल्गुनी स्कूल ऑफ आर्ट की संचालिका सुश्री फाल्गुनी अग्रवाल ने वंदनीया शैल दीदी का चित्र बनाकर श्री देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव, जिला समन्वयक गायत्री परिवार को भेंट किया।

दीपयज्ञ के साथ स्थानीय कार्यकर्त्ता प्रो. एन .के. गर्ग और आर.सी. लेवे का जन्मदिन भी मनाया गया।

चेतना उत्थान साधना शिविर

शक्ति को साधने से मिलती हैं चमत्कारिक सफलताएँ

जयपुर। राजस्थान

हर व्यक्ति में अकूत सामर्थ्य विद्यमान है, आवश्यकता है उसे पहचानकर, जगाकर और साधकर उसका सदुपयोग करने की है। साधना से अपनी अंतःचेतना को जाग्रत करने वाले अपने जीवन में चमत्कारिक सफलताएँ प्राप्त करते हैं। ऐसे ही लोग महामानव के रूप में ढल कर समाज का पथ प्रदर्शन करने में समर्थ होते हैं।

गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी, जयपुर में आयोजित तीन दिवसीय चेतना उत्थान साधना शिविर के समापन समारोह को संबोधित करते हुए राजस्थान जोन प्रभारी श्री ओमप्रकाश अग्रवाल ने गायत्री उपासकों को यह सत्प्रेरणाएँ दीं। नववर्ष के स्वागत में आयोजित विशेष शिविर में 24 साधकों ने भाग लिया। शक्तिपीठ व्यवस्थापक श्री सोहनलाल शर्मा, श्री मणिशंकर चौधरी, श्री सतीश भाटी एवं डॉ. प्रशान्त भारद्वाज ने भी अपने अनुभव एवं विचार साझा किए।

राष्ट्रीय परेड में भागीदारी का अवसर मिला

गायत्री परिवार का गौरव

हैदराबाद। तेलंगाना

हैदराबाद के समर्पित कार्यकर्त्ता एवं गायत्री शक्तिपीठ गोशा महल हैदराबाद के संचालक श्री गोकुलचंद उपाध्याय जी के सुपुत्र चिरंजीव माधव उपाध्याय को इस वर्ष नई दिल्ली के कर्त्तव्य पथ पर आयोजित होने वाली राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस परेड में तेलंगाना व आँध्रप्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त हुआ। चि. माधव अरोरा डिग्री कॉलेज हैदराबाद के विद्यार्थी हैं। जिला, राज्य और फिर राष्ट्रीय स्तर पर हुई कड़ी परीक्षाओं से गुजरते हुए मिली इस सफलता पर उनके माता-पिता एवं परिवारी जनों सहित पूरा गायत्री परिवार गौरवान्वित है।

24 विदेशी सैलानियों ने गायत्री मंत्र की दीक्षा ली

वाराणसी। उत्तर प्रदेश

वेदमूर्ति तपोनिष्ठ युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी के वैज्ञानिक आध्यात्मवाद से प्रेरित होकर काशी आए विदेशी सैलानियों में से 18 विदेशी भाई-बहनों ने वाराणसी में गायत्री महामंत्र की दीक्षा लेते हुए अपनी अंगुली समर्थ सद्गुरुदेव के हाथों में थमाई। उन्होंने नियमित उपासना, साधना, स्वाध्याय के साथ अपनी सामर्थ्य को संसार रूपी भगवान की बगिया को सुंदर से सुंदरतम बनाने का संकल्प लिया।

गायत्री शक्तिपीठ लंका, वाराणसी के दिव्य प्रांगण में 28 दिसंबर को प्रातः यह दीक्षा संस्कार सम्पन्न हुआ। गहन आध्यात्मिक अभीप्सा रखने वाले विदेशी अतिथियों ने जब परम पूज्य गुरुदेव का परिचय प्राप्त किया और वैश्विक स्तर पर गायत्री परिवार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी उन्हें मिली तो उनके साथ आए 6 अन्य लोगों ने भी गायत्री मंत्र की दीक्षा लेने का मन बनाया और अगले दिन दीक्षा ले भी ली। यज्ञाचार्यों ने उन सभी को शान्तिकुञ्ज आकर गुरुचेतना के साथ हुए संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ करने की प्रेरणा दी।

दिवंगत देवात्माओं को भावभरी श्रद्धांजलि

श्री रणवीर सिंह दीक्षित,
भटगाँव, रायपुर। छ.गढ़

गायत्री प्रज्ञा पीठ भटगाँव के संरक्षक एवं प्रधान अध्यापक श्री रणवीर सिंह दीक्षित 81 वर्ष की आयु में पावन गुरुसत्ता की सूक्ष्म चेतना में विलीन हो गए। सन् 1971 में गुरुदीक्षा लेने के बाद से वे तमाम पारिवारिक, सामाजिक अवरोधों से जूझते हुए मिशन के कार्यों में आजीवन सक्रिय रहे। वे अखंड ज्योति के पाठकों के प्रेरणा स्रोत थे।

श्री कार्तिक प्रसाद धाकड़,
मथुरा। उत्तर प्रदेश

गायत्री तपोभूमि मथुरा के प्राणवान कार्यकर्त्ता श्री कार्तिक प्रसाद धाकड़ का दिनांक 10 जनवरी 2024 को देहावसान हो गया। 59 वर्षीय स्व. श्री धाकड़ जी ने अपने जीवन के 34 वर्ष गायत्री तपोभूमि मथुरा में रहकर परम पूज्य गुरुदेव की सेवा में समर्पित किये। वे सबके चहेते कार्यकर्त्ता थे, जो हर समय हर तरह के सेवाकार्य के लिए तत्पर रहते थे।

स्व. श्री कार्तिक प्रसाद धाकड़ जी ने अपनी जन्मभूमि धारनी, तहसील मुलताई जिला बैतूल में जीवन की अंतिम श्वास ली। गायत्री परिवार जिला बैतूल, गायत्री तपोभूमि मथुरा और शान्तिकुञ्ज के हजारों कार्यकर्त्ताओं ने उनके निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री शिवलाल पाटीदार,
भवानीमंडी, झालावाड़। राजस्थान

परम पूज्य गुरुदेव के प्रति अथाह समर्पण के कारण स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति लेकर मिशन के कार्यों में अहर्निश जुटे श्री शिवलाल पाटीदार जी 31 दिसंबर 2023 के ब्रह्ममुहूर्त में परम पूज्य गुरुदेव की सूक्ष्म चेतना में विलीन हो गए। वे एकअच्छे कथावाचक, यज्ञाचार्य, संगठक, प्रशिक्षक थे। इन दिनों वे गायत्री शक्तिपीठ भवानी मंडी के प्रबंध ट्रस्टी थे। वे गायत्री चेतना केन्द्र कोचीन के संस्थापक थे, जिन्होंने सेवा निवृत्ति से पूर्व और उसके बाद भी अपना अधिकांश समय दक्षिण भारत में मिशन के प्रचार-विस्तार में लगाया था।

जो मनुष्य कट्टर दुराग्रही और वितंडावादी हो, उसके साथ कभी वाद-विवाद नहीं करना चाहिए।

ओडिशा-छत्तीसगढ़ के गायत्री महायज्ञों में नवचेतना विस्तार

गुरुमंत्र गायत्री के उपासक का जीवन उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होता जाता है।

संबलपुर। ओडिशा

मनुष्य जन्म मिलना सरल है, लेकिन मनुष्य के भीतर देवत्व का जागरण गुरुकृपा के बिना संभव नहीं हो पाता। आज हम सबका सौभाग्य है कि परम पूज्य गुरुदेव के रूप में एक विराट चेतना हर मानव के अंतःकरण में सुप्त देवत्व को जगाने के लिए दस्तक दे रही है। गायत्री परिवार द्वारा नवचेतना जागरण गायत्री महायज्ञों का आयोजन इसी दिव्य प्रयोजन के लिए किया जा रहा है।

संबलपुर में देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी ने रेमेड में 27 से 30 दिसम्बर की तिथियों में आयोजित चार दिवसीय 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में दीपयज्ञ के अवसर पर उपस्थित जनमेदिनी को संबोधित करते हुए यह संदेश दिया। गायत्री मंत्र का महत्त्व समझाते हुए उन्होंने कहा कि आज मानवीय चेतना के उत्थान की सामर्थ्य विरलों में ही पाई जाती है। ऐसे में परम पूज्य गुरुदेव ने गुरुमंत्र गायत्री को जन-जन के लिए सुलभ कराकर मानवता का बड़ा उपकार किया है। गायत्री उपासक का जीवन निःसंदेह उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होता जाता है।

दीपयज्ञ के मंच से आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी ने मंचासीन गणमान्यों के साथ गायत्री महायज्ञ की स्मारिका का अनावरण भी किया। इस अवसर पर उन्होंने यज्ञ की सफलता में अग्रणी योगदान देने वाले कार्यकर्त्ताओं का सम्मान भी किया।

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी संबलपुर में दीपयज्ञ के समय श्रद्धालुओं में प्रेरणा-प्रकाश फैलाते हुए

दीपयज्ञ के अवसर पर 24000 प्रज्वलित दीपों की साक्षी में उपस्थित हजारों लोगों को आत्मोत्कर्ष के लिए नियमित उपासना, साधना, आराधना की प्रेरणाएँ दी गईं। श्रद्धालुओं को नशामुक्ति, पर्यावरण के प्रति जागरूकता, वृक्षारोपण, जलसंरक्षण, जनसंख्या नियंत्रण जैसे रचनात्मक कार्यों में सक्रिय भागीदारी की प्रेरणाएँ भी प्रदान की गईं।

शान्तिकुञ्ज से पहुँची सर्वश्री अरुण खंडागले, बसंतीलाल सोलंकी, सोमेश्वर तांडी, छविलाल गढ़िया, हेमलाल तत्त्वदर्शी, मंगल सिंह, शेषदेव बढ़ई की टोली ने महायज्ञ सम्पन्न कराया। इस यज्ञ में गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एन.नागराजू, पूर्व राज्यसभा सदस्य सुश्री प्रमिला बहिदार एवं अनेक गणमान्यों की भागीदारी रही। श्री हनुमान बाबा ने भी मंच से सत्प्रेरणाएँ दीं। यह कार्यक्रम सर्वश्री दीनदयाल अग्रवाल, हेमंत कुमार महापात्र, उपेन्द्र पाढ़ी, बानाम्बर सर आदि के मार्गदर्शन एवं सहयोग से सम्पन्न हुआ।

भव्य स्वागत, दर्शन, पूजन

अपने तीन दिवसीय ओडिशा प्रवास में आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी दिनांक 29 दिसंबर को सर्वप्रथम झारसुगुड़ा पहुँचे। स्थानीय कार्यकर्त्ताओं ने उनका बड़े उत्साह के साथ स्वागत किया।

प्रवास का शुभारंभ महानदी तट पर अवस्थित संबलपुर की अधिष्ठात्री श्री श्री समलेश्वरी देवी के अतिप्राचीन मंदिर में दर्शन एवं सर्वमंगल की प्रार्थना से हुआ। तत्पश्चात उन्होंने गायत्री शक्तिपीठ संबलपुर में दर्शन-प्रणाम, देवस्थापना आदि के माध्यम से सैकड़ों परिजनों में आत्मीयता का संचार करते हुए सभी का उत्साहवर्धन किया।

जन-जन के मन, विचार और भावनाओं को बदलना होगा

सूरजपुर। छत्तीसगढ़

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी दिनांक 30 दिसम्बर को दीपयज्ञ के अवसर पर उपस्थित जनमेदिनी को संबोधित करने सूरजपुर पहुँचे। उन्होंने कहा कि आज हर व्यक्ति सुख, शान्तिपूर्वक जीवन जीना चाहता है, लेकिन इसके लिए सबसे बड़ी आवश्यकता वैचारिक एवं भावनात्मक परिवर्तन की है। समाज में व्यापक परिवर्तन होना सुनिश्चित है, लेकिन यह किसी बाहरी देवता की मनुहार से नहीं, आत्मदेवता के जागरण से होगा। व्यक्ति और परिवार के मन, विचार और भावनाओं को बदलने के लिए ही गायत्री परिवार द्वारा यह जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है।

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी ने गायत्री शक्तिपीठ सूरजपुर में ऋषियुग्म के दिव्य स्मारक 'सजल श्रद्धा-प्रखर प्रज्ञा' का अनावरण किया। उन्होंने शक्तिपीठ प्रांगण में रुद्राक्ष का पौधा भी रोपा।

इस महायज्ञ को सम्पन्न कराने शान्तिकुञ्ज से श्री सुनील शर्मा की टोली पहुंची थी। टोली ने प्रज्ञागीत तथा प्रज्ञा पुराण कथा के साथ युग संदेश देते हुए गायत्री महामंत्र को विश्व को विनाश से बचाने वाला रक्षा कवच बताया। प्रज्ञा पुराण कथा प्रसंगों के माध्यम से उन्होंने अनेक सामाजिक विकृतियों की ओर ध्यानाकर्षित करते हुए उनसे दूर रहने की प्रेरणा दी।

आयोजन की व्यवस्थाओं में सर्वश्री भोला प्रसाद अग्रवाल, शेषनारायण क्षत्री, शिवशंकर कुशवाहा, पवन अग्रवाल, अवधेश अग्रवाल, शिवशंकर साहू आदि अनेक कार्यकर्त्ताओं ने अविस्मरणीय योगदान दिया।

- 10,000 से अधिक लोगों ने महायज्ञ में भाग लिया।
- नशामुक्ति, दहेज प्रथा उन्मूलन एवं अन्य रचनात्मक कार्यों से संबंधित प्रदर्शनी आकर्षण का केन्द्र रही।
- आदरणीय डॉ. चिन्मय जी ने साहित्य स्टॉल, प्रदर्शनी देखी, वहाँ सेवारत कार्यकर्त्ताओं की श्रद्धा और उनके समर्पण भाव की सराहना की।

यज्ञ से मन एवं विचारों में सुविचारों का संचार होता है।

- श्रीमती कौशल्या देवी साय

देवमंच पर आद. डॉ. चिन्मय जी के साथ आद. कौशल्या देवी साय, मुख्यमंत्री जी की धर्मपत्नी

दीप महायज्ञ में माननीय मुख्यमंत्री की प्रतिनिधि के रूप में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय पधारीं। गायत्री माता एवं यज्ञ भगवान के प्रति अपनी अगाध आस्था व्यक्त करते हुए उन्होंने प्रदेश वासियों के कुशलक्षेम की कामना की।

श्रीमती साय ने कहा कि गायत्री परिवार समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए अत्यंत सराहनीय कार्य करने वाला अनुशासित परिवार है। यज्ञ में शामिल होने से मनुष्य में सुविचारों का संचार होता है, भावनाओं का परिष्कार होता है, जो सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। इस अवसर पर कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित थे।

गायत्री शक्तिपीठ अमरकंटक में 'प्रखर प्रज्ञा-सजल श्रद्धा' की प्राण प्रतिष्ठा

यज्ञशाला में अखण्ड अग्नि की स्थापना तथा नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण भी हुआ

अमरकंटक, अनूपपुर। मध्य प्रदेश

विंध्य और सतपुड़ा पहाड़ियों की पर्वत शृंखला में स्थित अमरकंटक व्यास और भृगु जैसे महान ऋषियों की तपःस्थली है। यह मात्र माँ नर्मदा का उद्गम स्थल नहीं है, यहाँ से सूक्ष्म जगत में दिव्य प्राणधारा भी प्रवाहित होती है, जो मध्य भारत और पश्चिमी भारत के करोड़ों लोगों के संस्कार और विचारों का पोषण करती है। युगऋषि परम पूज्य गुरुदेव ने अमरकंटक में शक्तिपीठ की स्थापना कराने का निर्देश देकर समय की माँग के अनुरूप इस दिव्य तीर्थ को अनुप्राणित किया था, अब उनके मानसपुत्र उस प्राणधारा को प्रखर और प्राणवान बना रहे हैं।

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी 31 दिसम्बर को अमरकंटक पहुँचे। उन्होंने वहाँ गायत्री शक्तिपीठ में 'प्रखर प्रज्ञा-सजल श्रद्धा' की प्राण प्रतिष्ठा की, अखण्ड अग्नि की स्थापना की एवं श्रीराम सत्संग भवन व साहित्य स्टॉल का लोकार्पण किया।

माँ नर्मदा मंदिर में पूजन करते आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी

तीर्थ पुरोहितों ने दिया विशिष्ट सम्मान

शान्तिकुञ्ज के वरिष्ठ प्रतिनिधि के आगमन पर माँ नर्मदा के उद्गम स्थल में निर्मित माँ नर्मदा मंदिर के पुरोहितों ने उनका भावभरा स्वागत किया। उन्हें विशिष्ट सम्मान देते हुए गर्भगृह में पूरे विधि-विधान के साथ दर्शन-पूजन कराया। तीर्थ पुरोहितों ने अमरकंटकेश्वर महादेव में अभिषेक भी करवाया।

गायत्री शक्तिपीठ में प्राण प्रतिष्ठा-लोकार्पण

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी गायत्री शक्तिपीठ पहुँचे। शक्तिपीठ व्यवस्थापक श्री विष्णुभाई पण्ड्या, श्रीमती ताराबेन पण्ड्या, किरीट पण्ड्या, श्री के.एन. जोशी, श्री जे.पी. सिंह आदि गायत्री परिवार के वरिष्ठ कार्यकर्त्ताओं सहित समीपवर्ती चार जिलों के कार्यकर्त्ताओं ने बड़े जोश और उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। डॉ. चिन्मय जी ने सभी की कुशलक्षेम जानी, तत्पश्चात् माँ गायत्री, माँ दुर्गा, माँ महालक्ष्मी और नर्मदा मैया का पूजन करने के बाद उन्होंने 'प्रखर प्रज्ञा-सजल श्रद्धा' की प्राण प्रतिष्ठा की। उन्होंने नवनिर्मित यज्ञशाला में अखण्ड अग्नि की स्थापना की तथा साहित्य स्टॉल सहित नए बनाए भवनों का लोकार्पण भी किया।

शक्तिपीठ में पूजन और यज्ञशाला में अखण्ड अग्नि की स्थापना

जामवंत-हनुमान की तरह गुरुकार्य में जुट जायें हम

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी अमरकंटक की दिव्य भूमि पर बने शक्तिपीठ में परिजनों को संबोधित करते हुए अत्यंत भावविभोर थे। उन्होंने परिजनों को साक्षात शिव-पार्वती के स्वरूप परम पूज्य गुरुदेव, परम वंदनीया माताजी के साथ संबंधों की महत्ता और उनके प्रति आत्मसमर्पण का महत्त्व समझाया। उन्होंने कहा कि हम उस महान सत्ता से जुड़े हैं, जो सारी दुनिया को

शेष समाचार पृष्ठ 7 पर पढ़ें ...

मनोरोगियों को संबोधित करते आद. डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी

मनोरोगियों का मनोबल बढ़ाया

सुंदरगढ़। ओडिशा : आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी दिनांक 30 दिसम्बर को सुंदरगढ़ पहुँचे। यह सुखद संयोग ही था कि परम पूज्य गुरुदेव भी सुंदरगढ़ के परिजनों को आशीर्वाद-अनुदान देने 30 दिसम्बर के दिन ही उनके बीच पहुँचे थे।

शक्तिपीठ दर्शन के बाद आदरणीय डॉ. चिन्मय जी आस्था गृह में मनोरोगियों के बीच पहुँचे। उपस्थित केन्द्र संचालकों और रोगियों को गायत्री मंत्र की सामर्थ्य के बारे में बताया तथा विश्वास दिलाया कि माता गायत्री उनके कष्टों को दूर करने में सहायता अवश्य करेगी। शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधियों ने गायत्री मंत्रोच्चार के साथ सभी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की।

बागबहार एवं पत्थलगाँव में देवदर्शन

सुंदरगढ़ से सूरजपुर जाते समय वे जसपुर जिले के गायत्री चेतना केन्द्र बागबहार और गायत्री चेतना केन्द्र पत्थलगाँव में रुके। वहाँ दर्शन-पूजन के साथ कार्यकर्त्ताओं में जन्मशताब्दी वर्ष के लिए सक्रियता का उत्साह जगाया।

सरगुजा क्षेत्र के मैनपाट में अवस्थित बौद्ध तपोमठ के दर्शन का अवसर प्राप्त हुआ, वहाँ मठ प्रमुख को पूज्य गुरुदेव का ज्ञान प्रसाद भेंट किया।

आद. डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी मैनपाट के बौद्ध मठ में मठ प्रमुख के साथ

श्मशान-से भयंकर दिखाई पड़ने वाले जीवन में यदि प्रेमरूपी अमृत छिड़क दिया जाये तो यह देवी-देवताओं की क्रीड़ा भूमि बन जाएगा।

युगशक्ति गायत्री के विस्तार के विशिष्ट प्रयास

251 घरों में यज्ञ से किया एक वर्षीय प्रयाज का शानदार शुभारंभ

कुसमुंडा, कोरबा। छत्तीसगढ़

गायत्री प्रज्ञापीठ कुसमुंडा, कोरबा 2 से 5 जनवरी 2025 की तिथियों में 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के साथ प्रज्ञापीठ की स्थापना का रजत जयंती समारोह मना रहा है। स्थानीय कार्यकर्त्ता इस रजत जयंती समारोह और परम वंदनीया माताजी के जन्म शताब्दी वर्ष-2026 को युगशक्ति गायत्री के प्रचार-विस्तार का विशिष्ट अनुष्ठान मान रहे हैं और तद्नुरूप एक वर्षीय कार्ययोजना बनाकर प्रयाज कार्यों में जुट गए हैं।

एक वर्षीय प्रयाज का शुभारंभ 7 जनवरी को 251 घरों में एक साथ एक समय पर गायत्री यज्ञ-उपासना अभियान के साथ हुआ। इससे पूर्व 24 घण्टे का अखण्ड जप रखा गया और दिनांक 6 जनवरी 2024 को मंगल कलश यात्रा निकाली गई। 7 जनवरी को गुरुदेव-माताजी के सूक्ष्म संरक्षण में 251 घरों में उमंग, उत्साह, ऊर्जा एवं अभूतपूर्व अनुभवों के साथ एक कुंडीय गायत्री यज्ञ संपन्न हुए। इन यज्ञों को संपन्न कराने के लिए खरसिया, सक्ती, चांपा एवं रतनपुर से कार्यकर्त्ता भाई-बहिनों का सहयोग प्राप्त हुआ।

प्रत्येक घर में पूजन सामग्री के साथ-साथ देव स्थापना चित्र, गायत्री मंत्र लेखन पुस्तिका, गायत्री चालीसा, अखंड ज्योति, युग निर्माण योजना पत्रिका, व्यसनमुक्ति पॉकेट बुक का सेट प्रदान किया गया था।

सायंकाल दीपयज्ञ में कटघोरा विधायक माननीय श्री प्रेमचंद पटेल की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में सर्वश्री दानेश्वर शर्मा, कमलेश मिश्रा, रायगढ़ से बी.एल. डनसेना, सक्ती से समयलाल बरेठ, चांपा से राठौर जी, ताम्रकर जी, नवागढ से बालक राम जी, राजकुमार जी के साथ अनेक भाई-बहिनों का सहयोग मिला।

गढकुंडार महोत्सव में सराही गई देसंविवि की छात्राओं की प्रस्तुतियाँ

गढकुंडार, निवाड़ी। मध्य प्रदेश

निवाड़ी जिले के ऐतिहासिक स्थल गढकुंडार में 12 वीं सदी के शासक पृथ्वीराज चौहान के अभिन्न मित्र मुगलों के विरुद्ध अदम्य साहस का परिचय देने वाले प्रथम हिंदू राष्ट्र के संस्थापक महाराजा खेत सिंह खंगार जू की जयंती के उपलक्ष्य में हर वर्ष 'गढकुंडार महोत्सव' मनाया जाता है। इस वर्ष 27, 28 एवं 29 दिसंबर की तिथियों में मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति संचालनालय एवं ज़िला प्रशासन निवाड़ी के सहयोग से यह महोत्सव मनाया गया। उन्हीं दिनों परिवीक्षा हेतु पहुँची

प्रज्ञागीत प्रस्तुत करती देसंविवि की छात्राएँ

देव संस्कृति विश्वविद्यालय की छात्राएँ कु. स्वाती सैनी,कु.दीक्षा शर्मा एवं कु.श्रुति नोनिया को भी 28 दिसम्बर को इस कार्यक्रम में प्रस्तुति का अवसर मिला, जिसने उपस्थित 4000 दर्शकों का मन मोह लिया।

देसंविवि की छात्राओं ने योग से निरोग रहने के लिए अनेक आसनों का बड़ी सूक्ष्म जानकारियों के साथ प्रदर्शन किया। उन्होंने अन्न की बबार्दी रोकने के लिए नाट्य प्रस्तुति भी की, जिसकी सराहना जिला प्रशासन निवाड़ी के अधिकारियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों ने भी की, प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। बालिकाओं ने नशामुक्ति उन्मूलन, नारी जागरण पर भी प्रभावशाली संदेश दिया।

अखण्ड ज्योति पाठक सम्मेलन

सदविचारों की मार्गदर्शिका है अखंड ज्योति

हटा। मध्य प्रदेश

गायत्री शक्तिपीठ हटा में अखंड ज्योति पत्रिका के पाठकों का मिलन समारोह आयोजित किया गया। विज्ञ पाठकों के अभिमत ने सभी को प्रभावित किया। पं. दिनेश दुबे ने अखण्ड ज्योति को युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी की जीवन साधना का निचोड़ बताया। श्री रतन अग्रवाल ने कहा कि अखण्ड ज्योति में आज की सभी समस्याओं का समाधान मिल जाता है। पं. प्रीतम प्रसाद पाठक ने इसे धर्म एवं अध्यात्म के तत्त्वज्ञान का वैज्ञानिक विश्लेषण करने वाली आध्यात्मिक पत्रिका बताया।

मंच संचालनकर्त्ता पं. मदन गोपाल दुबे ने बताया कि वर्तमान में हटा तहसील में 255 पत्रिकाएं वितरित की जा रही हैं।

पं. राजाराम गोस्वामी ने पत्रिका के ग्राहकों की संख्या बढ़ाने की बात कही। इस अवसर पर डॉ. गोपाल कुसमरिया, अरुण पटेल, जयप्रकाश नेमा, एमपी बाथरे, नर्मदा असाटी ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान पत्रिका वितरकों एवं पाठकों का तिलक लगाकर सम्मान किया गया। हरिनारायण नेमा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

ब्यावर, अजमेर। राजस्थान

गायत्री शक्तिपीठ ब्यावर ने 17 दिसम्बर 2023 को अखण्ड ज्योति पाठक सम्मेलन का आयोजन कर जीवन के उत्थान में परम पूज्य गुरुदेव के विचारों का महत्त्व बताया। सम्मेलन के मुख्य वक्ता गायत्री महिला महाविद्यालय पुष्कर के प्राचार्य प्रो. सुरेश वैष्णव ने कहा कि अखण्ड ज्योति पत्रिका ने लाखों लोगों के जीवन में क्रान्तिकारी परिवर्तन किया है। इसकी सामग्री पाठकों को सकारात्मक ऊर्जा से भर देती है, तनाव और अवसाद से मुक्ति दिलाती है।

शक्तिपीठ कार्यवाहक डॉ. गुरुदत्त शर्मा एवं मुख्य अतिथि समाजसेवी श्री रमेश भराडिया ने अखण्ड ज्योति पत्रिका को अध्यात्म का वैज्ञानिक प्रतिपादन करने वाली पत्रिका बताया। उन्होंने कहा कि अखण्ड ज्योति में व्यक्ति, परिवार और समाज निर्माण के सूत्र तथा विश्व शान्ति का मार्ग निहित है।

कई अन्य विद्वानों ने भी इस पत्रिका की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए लोगों से स्वयं इसका स्वाध्याय करने और अधिक से अधिक लोगों को पढ़ने की प्रेरणा देने का आह्वान किया।

ब्यावर में आयोजित अखण्ड ज्योति सम्मेलन

गायत्री शक्तिपीठ अमरकंटक में ...

... पृष्ठ 6 से आगे

निहाल कर रही है। हमें उनके मानसपुत्र होने का गौरव बोध होना चाहिए। उनके सूक्ष्म संरक्षण के आश्वासन पर दृढ़ विश्वास रखते हुए जितना संभव हो, अपने समय, सम्पदा, प्रतिभा और विभूतियों को उनके कार्य के लिए समर्पित कर देने में पीछे नहीं रहना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने सभी को नववर्ष 2024 की शुभकामनाएँ देते हुए जामवंत और हनुमान की तरह गुरुकार्य में जुट जानेका आह्वान किया।

मरवाही एवं पेण्ड्रा में : अमरकंटक के बाद आद. डॉ. चिन्मय जी निकटवर्ती छत्तीसगढ़ के शहर मरवाही एवं पेण्ड्रा पहुँचे, वहाँ के कार्यकर्त्ताओं-परिजनों को युगतीर्थ की प्रखर प्राण ऊर्जा से लाभान्वित किया।

अमरकंटक शक्तिपीठ से जुड़ा अद्भुत, आश्चर्यजनक सत्य

आदरणीय डॉ. चिन्मय जी के उद्बोधन से पूर्व शक्तिपीठ व्यवस्थापक श्री विष्णु पण्ड्या जी ने स्वागत उद्बोधन दिया। इस अवसर पर उन्होंने शक्तिपीठ से जुड़ी एक विशेष घटना का उल्लेख किया। उन्होंने बताया-

गायत्री शक्तिपीठ सावित्री सरोवर और गायत्री सरोवर के मध्य बना है। इस भूमि का चयन स्वयं परम पूज्य गुरुदेव ने किया था। उन्होंने यहाँ बिलासपुर के एक बड़े व्यापारी, समर्पित कार्यकर्त्ता श्री लक्ष्मण प्रसाद अग्रवाल जी से इस भूमि को शक्तिपीठ निर्माण के लिए आबंटित कराने का निर्देश दिया था। श्री अग्रवाल जी कलेक्टर महोदय के पास आवेदन लेकर पहुँचे, लेकिन उन्होंने यह जमीन नहीं दी, एक अन्य गड्ढे वाली भूमि आबंटित कर दी।

अग्रवाल जी निराश थे। शान्तिकुञ्ज आकर सारी बात परम पूज्य गुरुदेव को बताई। पूज्य गुरुदेव बोले, ''बेटा! वही भूमि मिलेगी, जो मैंने चयन की है।''

अग्रवाल जी लौट आए। आने पर देखा कि चमत्कार हो गया है। पटवारी ने कलेक्टर द्वारा बताई भूमि को आबंटित करने की बजाय भूल से वही भूमि गायत्री परिवार को आबंटित कर दी थी, जो परम पूज्य गुरुदेव ने चुनी थी, जहाँ आज गायत्री शक्तिपीठ बना है।

मलेशिया

दक्षिण पूर्व एशिया का युवा शिविर

क्वालालंपुर। मलेशिया

अखिल विश्व गायत्री परिवार की दक्षिण पूर्व एशिया इकाई द्वारा मलेशिया में 23-25 दिसंबर 2023 की तिथियों में तीन-दिवसीय 'युवा शिविर' का आयोजन किया गया। लोटस देसारु रिसोर्ट में आयोजित इस शिविर में सिंगापुर और मलेशिया के अलग-अलग स्थानों से आए हुए 28 युवाओं ने भाग लिया। शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि प्रो. विश्व प्रकाश त्रिपाठी जी ने उन्हें परम पूज्य गुरुदेव के बताए जीवन सूत्रों को समाज में फैलाकर मानवता के उत्थान के लिए जीवन समर्पित करने की प्रेरणा दी।

प्रो. त्रिपाठी ने गायत्री मंत्र का ज्ञान-विज्ञान, जीवन साधना के सूत्र, व्यक्ति निर्माण से परिवार निर्माण आदि विषयों पर पूज्य गुरुदेव के विचार प्रस्तुत किए। परम पूज्य गुरुदेव एवं वन्दनीया माता जी से जुड़े प्रसंगों को सुनकर सभी भावविभोर हो

विचार क्रान्ति अभियान को गति दे रहे सिंगापुर और मलेशिया के युवा शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि के संग

गए। प्रतिभागियों ने साधनात्मक मार्गदर्शन भी प्राप्त किया।

सिंगापुर की श्रीमती मोनिका अग्रवाल (शिक्षिका) ने युवा उत्कर्ष के लिए दिया, राजस्थान द्वारा तैयार किए गए कार्यक्रम HEARD (Happy Environment for All Round Development) की जानकारी दी। इसमें बढ़ते बच्चे एवं अभिभावकों के बीच सामंजस्य एवं वैचारिक आदान-प्रदान पर प्रमुखता से चर्चा की गयी।

शिविर में रामायण, महाभारत एवं अन्य पौराणिक विषयों पर ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी का आयोजन प्रतिभागियों को रुचिकर लगा। सभी परिजनों, विशेषकर बच्चों द्वारा सम्पादित भजन, गायन, नाट्य आदि शिविर के विशेष केन्द्र रहे।

अंतिम दिन प्रो. त्रिपाठी जी ने सभी परिजनों से परम पूज्य गुरुदेव के निर्देशानुसार जन्मदिन संस्कार का प्रचलन बढ़ाने का अनुरोध किया। 25 दिसंबर को श्रद्धेया शैल जीजी के जन्मदिवस के अवसर पर सभी ने उनको श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य की मंगल कामना की, महामृत्युंजय मंत्र से दीप यज्ञ में आहुतियाँ प्रदान की।

कनाडा

दीपयज्ञ के माध्यम से फैलाया जीवन के उत्थान की प्रेरणाओं का प्रकाश

युगऋषि की प्रगतिशील प्रेरणाओं के साथ नववर्ष का स्वागत करते कनाडा के परिजन

नववर्ष का स्वागत

टोरंटो। कनाडा

गायत्री परिवार युग निर्माण टोरंटो (GPYN) ने वर्ष 2024 के प्रथम दिन मिसिसॉगा के एक मंदिर में दीप यज्ञ का कार्यक्रम आयोजित कर नववर्ष का भव्य स्वागत किया। इस सार्वजनिक कार्यक्रम में 300 से अधिक लोगों की उपस्थिति थी। अधिकतर युवाओं और बच्चों ने दीपयज्ञ एवं विविध कार्यक्रमों का संचालन करते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं को जीवन को उत्थान की ओर ले जाने वाला प्रेरणा-प्रकाश प्रदान किया।

टोरंटो में चल रही बाल संस्कार शाला के दो बच्चों निवान और कृतार्थ ने भी गायत्री माता, गायत्री मंत्र और उसके महत्त्व के बारे में भाषण दिए। जीपीवायएन की युवा सदस्य काम्या ने परम पूज्य गुरुदेव का परिचय दिया। एक वरिष्ठ युवा सदस्य प्रथम ने गायत्री मंत्र के 24 सद्गुणों की प्रेरणा देने वाले 24 अक्षरों की परिचयात्मक प्रस्तुति की।

दुबई

यज्ञ से ऊर्जावान रहते हैं दुबई वासी

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात

संयुक्त अरब अमीरात में युग निर्माण योजना के प्रति निष्ठावान सैकड़ों परिवार नियमित यज्ञ अभियान चला रहे हैं। इसी कड़ी का 68वाँ मासिक यज्ञ दिनांक 24 दिसंबर 2023 को दुबई में आयोजित हुआ। सुनील जी-हेमा जी एवं अविनाश जी-श्वेताजी के घर आयोजित इस यज्ञ में 130 से अधिक गायत्री परिजनों एवं 75 से अधिक नये परिजनों की उपस्थिति रही। कई शहरों से अनेक लोग ऑनलाइन भी इस कार्यक्रम से जुड़े।

यज्ञ संचालन श्रीमती मधु गुप्ता द्वारा किया गया। शान्तिकुञ्ज से जोन समन्वयक

डॉ. ओ.पी. शर्मा जी भी इस कार्यक्रम से जुड़े। सभी को मुम्बई में 21 से 25 फरवरी की तिथियों में आयोजित हो रहे अश्वमेध महायज्ञ का महत्त्व समझाया और सभी को इस यज्ञ में भागीदारी का आमंत्रण भी दिया।

श्री अर्णव और राम शर्मा ने जूम मीटिंग के माध्यम से इस कार्यक्रम का समन्वय किया। कई लोगों के जन्मदिन और विवाह दिन संस्कार मनाए गए। यज्ञ में भाग ले रहे परिजनों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे यज्ञ-संस्कार के कार्यक्रम में भाग लेकर स्वयं को काफी ऊर्जावान अनुभव करते हैं।

युगतीर्थ शान्तिकुञ्ज में छाया उत्कृष्टता का उत्सव, पीड़ितों की सेवा

युगऋषि की तपःस्थली में धूमधाम से मनाया जा रहा है रामोत्सव

अखण्ड रामायण पाठ, संकीर्तन और दीपोत्सव-दीपावली का आयोजन

गायत्रीतीर्थ-शान्तिकुञ्ज में अयोध्या में 22 जनवरी को आयोजित रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का महोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ एक राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जा रहा है। समाचार लिखे जाने के दिन (19 जनवरी) शान्तिकुञ्ज में अखण्ड रामायण पाठ का कार्यक्रम चल रहा है, जिसमें रामरस में डूबे सैकड़ों कार्यकर्त्ता-शिविरार्थी भाई-बहिन भाग ले रहे हैं। विशिष्ट लय-ताल के साथ रामचरित मानस की चौपाइयाँ मानस-मंदिर में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवनादर्शों को प्रतिष्ठित कर रही हैं।

इन दिनों पूरे विश्व में जाग्रत् विशिष्ट चेतना के अनुरूप शान्तिकुञ्ज भी एक दिव्य संकल्प के साकार होने का उत्सव मना रहा है। यह उल्लास है अपनी महान संस्कृति के गौरव का, नवविश्वास है अपने उदात्त आदर्शों की विजय का, जो लाखों रामभक्तों के त्याग-बलिदान, श्रद्धा-समर्पण से प्राप्त हुआ है। यह आनन्द है देव संस्कृति दिग्विजय यात्रा में आरंभ हुए एक नए अध्याय का, जिसके लिए परम पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी के दिव्य संरक्षण-मार्गदर्शन में उनके करोड़ों अनुयायियों ने अपना जीवन समर्पित किया है।

19 जनवरी से आरंभ अखण्ड रामायण पाठ में भाग ले रहे शान्तिकुञ्ज के कार्यकर्त्ता-शिविरार्थी

शान्तिकुञ्ज में रामजन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा का शुभारंभ मकर संक्रान्ति से हुआ। उस दिन घंटे, घड़ियाल, गीत-संगीत, जयघोष और गायत्री महामंत्र की गूँज के साथ प्रभात फेरी निकाली गई। तत्पश्चात् कार्यकर्त्ताओं ने उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पण किया। तत्पश्चात् सैकड़ों भाई-बहिनों ने प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के निमित्त विशेष साधना अनुष्ठान किए। कार्यक्रम विभाग के प्रभारी श्री श्याम बिहारी दुबे जी के अनुसार 22 जनवरी से पूर्व शान्तिकुञ्ज में अखण्ड रामायण पाठ, भजन-संकीर्तन और विराट दीपोत्सव के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

सभी शक्तिपीठ-प्रज्ञा केन्द्रों में

अखिल विश्व गायत्री परिवार के प्रमुख श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी एवं श्रद्धेया शैल जीजी के निर्देशानुसार रामजन्मभूमि में प्राण प्रतिष्ठा का महोत्सव देश-विदेश में सभी गायत्री शक्तिपीठों/प्रज्ञा संस्थानों में मनाया जा रहा है। इन संस्थानों में राम भजन, संकीर्तन, दीपयज्ञ एवं दीपोत्सव मनाए जाएँगे, घर-घर श्रीराम ज्योति प्रज्वलित की जाएगी।

श्रद्धेय डॉ. प्रणव जी एवं श्रद्धेया शैल जीजी के मनोभाव

जो लगभग पाँच सौ वर्षों से रामलला के दिव्य, भव्य व नव्य मंदिर में विराजने की प्रतीक्षा कर रहे थे, ऐसे अगणित राम भक्तों, श्रद्धालुओं और हिमालयवासी ऋषियों, मुनियों, सिद्धों, संतों, यतियों की मनोकांक्षा पूरी होने जा रही है, यह सम्पूर्ण जगत के उत्कर्ष का एक ऐतिहासिक एवं निर्णायक अवसर है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय डॉ. मोहन यादव का स्वागत

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय डॉ. मोहन यादव जी एवं उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक जी 6 जनवरी को गायत्रीतीर्थ शान्तिकुञ्ज पधारे। माननीय डॉ. मोहन यादव जी के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह शान्तिकुञ्ज की पहली यात्रा थी। उन्होंने अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुखद्वय श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या एवं श्रद्धेया शैलदीदी से भेंट कर युगतीर्थ के आशीर्वाद ग्रहण किये तथा सामाजिक उत्कर्ष से संबंधित अनेक रचनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

श्रद्धेय डॉ. साहब, श्रद्धेया जीजी ने माननीय मुख्यमंत्री जी का मंगल तिलक कर, गायत्री महामंत्र का उपवस्त्र ओढ़ाकर तथा समस्त सामाजिक विषयों पर मार्गदर्शन करने वाला परम पूज्य गुरुदेव का साहित्य भेंट कर अभिनन्दन किया, वे अपनी महती जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करें, इसके लिए अपनी शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने राष्ट्र के नवनिर्माण के लिए चलाए जा रहे नारी सशक्तीकरण, युवा जागरण तथा राष्ट्र की चेतना को नवसृजन के कार्यों में नियोजित करने के अपने अभियान को पूरी शक्ति-सामर्थ्य के साथ गति देने का विश्वास दिलाया। उन्हें जन्मशताब्दी वर्ष-2026 को लक्ष्य कर चलाई जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।

माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा ऋषियुग्म के स्मारकों पर पुष्पांजलि और श्रद्धेय डॉ. साहब मुख्यमंत्री जी को साहित्य भेंट करते हुए

शान्तिकुञ्ज आगमन पर व्यवस्थापक आदरणीय श्री महेन्द्र शर्मा जी ने दोनों अतिथियों का भावभरा स्वागत किया। माननीय मुख्यमंत्री जी एवं हरिद्वार के सांसद डॉ. निशंक जी ने ऋषियुग्म के स्मारक 'प्रखर प्रज्ञा, सजल श्रद्धा' पर पुष्पांजलि अर्पित की। सन् 1926 से सतत प्रज्वलित सिद्ध ज्योति 'अखण्ड दीपक' का दर्शन करते हुए उनकी सूक्ष्म एवं कारण सत्ता से समाज की खुशहाली हेतु प्रार्थना की।

शांतिकुंज परिवार ने राष्ट्रीय युवा दिवस उत्साह के साथ मनाया

सत्संग भवन में दीप प्रज्वलन के साथ विवेकानन्द जयंती समारोह का शुभारंभ

देवसंस्कृति विश्वविद्यालय एवं शान्तिकुञ्ज परिवार ने स्वामी विवेकानन्द जी की जयंती (राष्ट्रीय युवा दिवस) बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं युवा जागरण गीत के साथ हुआ। प्रो. प्रमोद भटनागर, श्री श्याम बिहारी दुबे, श्री संदीप कुमार, श्री नरेन्द्र ठाकुर आदि ने उपस्थित श्रोताओं को युवा योद्धा सन्यासी स्वामी विवेकानन्द के जीवन की शिक्षाओं का बोध कराया।

श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि स्वामी जी सदैव सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ते रहे। उन्होंने अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिनों मनाये जा रहे स्वामी विवेकानन्द जी के जन्मदिवस पर्व को दोहरे उत्साह का संचार करने वाला पर्व बताया। श्रद्धेया शैल जीजी ने स्वामी जी के जीवन में समर्पण एवं पारदर्शिता को उनकी सबसे बड़ी विशेषता बताया। उन्होंने कहा कि हमें उनके जीवन-आदर्शों का अनुसरण करना चाहिए।

अपने संदेश में देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय जी ने कहा कि आज राष्ट्र को स्वामी विवेकानंद जैसे संकल्पवान, प्रतिभावान और भारतीय संस्कृति के प्रति समर्पित कर्मठ युवाओं की जरूरत है।

400 से अधिक जरूरतमंदों में बाँटे कंबल, त्रिपाल और चटाइयाँ

पीड़ित मानवता की सेवा के सहज स्वभाव के अनुरूप शान्तिकुञ्ज ने 12 जनवरी के दिन हरिद्वार के विभिन्न क्षेत्रों में भीषण ठंड का प्रकोप झेल रहे जरूरतमंदों तक पहुँचकर उन्हें कंबल, त्रिपाल और चटाइयाँ प्रदान कीं।

सेवा-सहायता का यह कार्य श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी एवं श्रद्धेया जीजी के निर्देशानुसार सम्पन्न हुआ। राहत सामग्री वितरण करने जा रहे कार्यकर्त्ताओं से उन्होंने पीड़ितों के प्रति सहृदयता का भाव रखते हुए उनकी अधिक से अधिक सहायता करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि दीन-दुःखियों की सेवा ही भगवान की सच्ची पूजा-आराधना है। उनके हृदय से निकला आशीर्वाद भगवान के वरदान के समान होता है। पीड़ितों के प्रति सहृदयता गायत्री परिवार की पहचान है, हमें इस सेवाभाव को निरंतर बढ़ाते रहना चाहिए।

शान्तिकुञ्ज की सेवाओं से राहत अनुभव करती पीड़ित मानवता

मध्य रात्रि में ठंड से ठिठुरते गरीबों को राहत सामग्री प्रदान करने के लिए शान्तिकुञ्ज से सर्वश्री नरेन्द्र ठाकुर, संतोष कुमार, मंगल सिंह गढ़वाल, पद्माकर लांजेवार, अरुण तोमर, आसमान नेताम की टोली गई थी। वे चण्डीघाट व बैरागीद्वीप में बने रैन बसैरों में पहुँचे। खड़खड़ी, भारत माता मंदिर, पावन धाम, सवानँद घाट, गंगा तट के भागीरथ बिंदु से लेकर ठोकर नं. 16 के मार्गों के किनारे खुले आसमान के नीचे ठिठुरे, सिकुड़े पड़े लोगों को प्रेमपूर्वक कंबल ओढ़ाये एवं अन्य सामग्री दी।

श्री नरेन्द्र ठाकुर ने बताया कि कई लोग तो भीषण ठंड में मात्र फटे बैनर ओढ़कर सोते दिखाई दिये। सैकड़ों लोगों ने कंबल, चटाई, त्रिपाल प्राप्त करने के बाद बड़ी राहत अनुभव की, खूब-खूब आशीर्वाद दिये। उन्होंने बताया कि इस अभियान में लगभग 400 साधुओं, भिक्षुओं और अन्य जरूरतमंदों की सेवा-सहायता की गई।

अश्वमेध यज्ञ के लिए रवाना हुआ दल

दिनांक 16 जनवरी को अश्वमेध यज्ञ के लिए यज्ञशाला, निर्माण, प्रदर्शनी आदि से संबंधित सामान लेकर सात बड़ी गाड़ियाँ मुम्बई के लिए रवाना हुईं। दल को अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुख श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी एवं व्यवस्थापक श्री महेन्द्र शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर विदा किया। →

अश्वमेध यज्ञ, मुम्बई में प्रज्ञा अभियान वितरण

ज्ञानयज्ञ के लिए समर्पित '**ज्ञानयज्ञ शाखा प्रयागराज**' हर वर्ष 50,000 नए लोगों को प्रज्ञा अभियान का सदस्य बनाने के साथ कुम्भ मेलों में, प्रतिवर्ष प्रयागराज में लगने वाले माघ मेलों में आये लोगों में निःशुल्क प्रज्ञा अभियान का वितरण करती है। मिशन के प्रचार-विस्तार का यह महान प्रयोजन ज्ञानयज्ञ के लिए **समर्पित महामनाओं के सहयोग से पूरा होता है।**

प्रयागराज शाखा ने मुम्बई में 21 से 25 फरवरी 2024 की तिथियों में आयोजित हो रहे अश्वमेध महायज्ञ में भी निःशुल्क प्रज्ञा अभियान वितरण की योजना बनाई है। 50,000 या यथा संभव अधिक पाक्षिक वितरण का संकल्प है। जो इस कार्य में सहयोग करने के इच्छुक हैं, वे कृपया योजना के समन्वयक श्री देबव्रत साहा राय, प्रयागराज (**मोबाइल** : 9415638196) से संपर्क करें।

नोट : धनराशि सीधे शान्तिकुञ्ज के बैंक खाते में जमा करानी है, उसकी सूचना श्री देबव्रत जी को देनी है। बैंक खाता नम्बरों के लिए संपर्क कीजिए - 9258369413 : **5000 अंकों के लिए 20,000 रुपये.**

मुनस्यारी में साधना शिविर

देवात्मा हिमालय की दिव्य एवं मनोरम गोद में स्थित गायत्री चेतना केन्द्र मुनस्यारी में चलने वाले 9 दिवसीय साधना सत्र (5 दिन साधना + 4 दिन शांतिकुंज से आना-जाना) में भाग लेने के लिए आवेदन की प्रक्रिया आरंभ हो गई है। सत्र दिनांक 6 अप्रैल 2024 से 15 जून 2024 तक चलेंगे। आवेदन ऑनलाइन (www.awgp.org/shivir) कर सकते हैं।

नोट : आवेदन वे ही परिजन कर सकते हैं, जिन्होंने पहले शान्तिकुञ्ज में 9 दिन या एक माह का सत्र किया हो।

श्रीमती शैलबाला पण्ड्या शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार स्वामी श्री वेदमाता गायत्री ट्रस्ट (टीएमडी) गायत्री नगर, श्रीरामपुरम, शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार द्वारा प्रकाशित तथा उत्तर भारत लाइव, एच.सी.एल. कम्पाउण्ड, सहारनपुर रोड़, निरंजनपुर, देहरादून-248001 (उत्तराखंड) में मुद्रित। **संपादक**- प्रमोद शर्मा। **पता** :- शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार (उत्तराखंड), पिन 249411. फोन-(01334) 260602

सम्पर्क सूत्र : पंजीयन एवं पूछताछ
फोन : 01334-311004
ईमेल : pragyaabhiyan@awgp.in
समाचार भेजने के लिए
ई-मेल : news@awgp.org

Publication date: 27.01.2024
Place: Shantikunj, Haridwar
RNI-NO.38653/ 1980
Postel R.No. UA/DO/DDN/ 16 / 2024-26
Licenced to Post Without Prepayment vide WPP No. 04/2024-26